सलासणगार

२०१४ यानें

मजमउल जरीम्मार

भाग बीजो २

सरवे शोकी वांचनारने सारु उरदू उपरथी सारी रीते सुधारीने तेना बे भाग करीने गुजराती करइ जमावीने शेठ करीमजी मूसाजीए पोताना हैदरी छाप-खानामां पेहलीवार छापीने

प्रसिध्य कर्यो

मुकाम मुंबई

सन १२९३ हिजरी

संवत् १९३२ना विक्रमाजित

सन १८७६ इस्वी

रहीई सीनजी

ग़ज़ले मानूई १३७

ले चलो यारों मुझे, (मुराद) आशना, दिलदार के पास;
जाके है ज़िंदगी अ यार न हो यार के पास.

नरगिसी चश्म का मत रंज दिले, बिमार ख़याल;
याने बीमार को रंजते नहीं, बीमार के पास.

ज़ख्म करता है तो कर पर ज़रा अतना कीजे;
रख्यो क़ातिल मुझे तु अपनी ही, दीवार के पास.

अमें आता है के, अब ऐस अहल, अगीका;
धूली द बैठये अ मुझे, युवां धार के पास.

अब ख़याल उसका सर अहू शान करे है माहर;
राह क़दम रंज करे अ किसी नाग के पास.

ग़ज़ले दीगर

हूस गये संदलीन, हो पे क़र
याने तनहाई, और तुमे

क़ैस लैलासे मिल गया, शायद;
नहीं खाली है, आन आंगे बरस.
रातने मैं उनसे राहमें लिपटा.
डर ડોલવાએ
जोड़े हाकिम रहा न, धीमे खसखस.
हाथ पाछे कुछे कुछ, ऐसी के बस;
उनकी उंगलीकी, चढ़ गई नर नस.
लगी कहने के मेरे दामनको;
છોડ્યું
नहीं अबतक किया किसूने मस.
પેલીમિર
सुरत बन अयगा मेरे ली सरड;
કુચારો
अरे मैं आग और तू है फ़रस.
जब ये: समझी के, छोड़ता ही नहीं;
तब तो ठेरी के देने, बोसे दस.
गिनके दस लेले, ग्यारहवां न सही;
हमको पीरे करे, निःयाहद, हवस.
एक दो तीन चार, पांच छ सात;
आठ नव दस कुबे, बस फ़नरीश बस.

ग़ज़ले राहीद. १३९

ડ઼ગારી ચ્નાર
तेरे परसे अड ने खोमीरन नलउपेलु मुल्बुजे मारनबस;
[illegible]
[illegible]

जलीलो नरस जलीलो नरस, जलीलो नरस जलीलो नरस

डोंघे डेरयां ली गया, मगर मुझे नहू कुसयुं बोलडिहा;

चो: जन बरस, चो: जन बरस, चो: जन बरस, चो: जन बरस

तेरे गम ने डाकू छुरी हा, सर मेरे लगन मेरे कुलन पर;

न कुमर कोडस, न कुमर कोडस, न कुमर कोडस, न कुमर कोडस

न चली किसू की कुसूं गरीके चो: कुछ सांप सी निस घडी;

गधे हिल कोडस, गधे हिल कोडस, गधे हिल कोडस, गधे हिल कोडस

तुझे देखा जिसने है ऐ परी, जो फुदा किसी को न भेरे की;

न रही हवस, न रही हवस, न रही हवस, न रही हवस

तू **राहीर** अपने सियह रसें कहु चो रागम पीते हैं जिसका —

यकी नजरस, यकी नजरस, यकी नजरस, यकी नजरस

गजले मोहरम १४०

मुझे है तेरा जो असनम, कहू जब मोह यह किसे जन;

न मिला हरस, न मिला हरस, न मिला हरस, न मिला हरस

युं मुडा ए हा तेर दरपे रोज मुझे यार कहके चो: चारलब;

तेरा माल असरस, तेरा माल असरस, तेरा माल असरस, तेरा माल असरस

तेरे हिज्र में मुझे ऐ सनम, यहां पूरे रोते हैं माहरुम;

कुझे दो नरस, कुझे दो नरस, कुझे दो नरस, कुझे दो नरस

तरे गम के आते डीहा लडक, जफा सनम [illegible]

न पिया चरस, न पिया चरस, न पिया चरस, [illegible]

मुझे बज़्म में मोहकम के हुआ, यही अकड़कर वो लिपट गया;
करो बारोफ़स, हरबारोफ़स, करबारोफ़स, करबारोफ़स.

ग़ज़ले शाहिद. १४१

न होगा मुझसा दुन्या में, कोई नाकाम सौ सौ कोस;
के मतलब भागता है, सुनके मेरा नाम सौ सौ कोस.
हमारी राहों से बेख़बर है, जबके था के ये हम दम;
बुलाते थे हमें ले लेकर पैगाम सौ सौ कोस.
मुबारक हो तुम्हें ये हमसफ़ीरो सैर गुलशनकी;
हमारी राह में दाम फैले हैं, दाम सौ सौ कोस.
निकाला आस्मांने जिस घड़ी, कूचे से जनां के;
हुआ था नातवां ने गम के, हर हर गाम सौ सौ कोस.
मरीज़े इश्क़ की, अपने ख़बर ले, जल्द ये ज़ालिम;
कुछ है दूर उससे ताक़तो आराम सौ सौ कोस.
न जाके दिन फ़िरकत भी, जाके मेरी रह नुमाई की.
भटकता ही रहा मैं सुबहसे ता शाम सौ सौ कोस.
ग़ज़ब है हालसे अपने नहीं, वाक़िफ़ है वो अबतक.
शाहिद अब किसकी ख़ातिरसे, कुंज [illegible] नाम सौ सौ कोस.

ग़ज़ले [illegible]. १४२

मुझसे कुछ दूर मेरी आफ़त जानी [illegible] सौ कोस;
[illegible] सौ कोस.

दास्तां दर्दकी अपनेमैं, कहूं किस आगे;
कोई सुनताही नहीं, मेरी कहानी अफ़सोस.
दिल अगर कहनेमें होता तो येह कुछ क्युं होता.
है जहानमें तो मेरे दुश्मने जानी अफ़सोस.
चश्म तर ओ. ईजहन पुरीहूये लब नरहिये रंग;
येह मिली दाद महब्बतकी, निशानी अफ़सोस.
रहम आता है रक़ीब दिल तेरा हाल मुझे;
मुफ़्त बरबाद गइ तेरी जवानी अफ़सोस.

रदीफ़रीननी.

ग़ज़लसिरान-१४३

किया शराबे महब्बतने, दिलके खुममें जारी;
अजब नहीं जो कियामत, तलक रहूं मदहोशी.
सनमके हुस्नके खुरशीदकी, फ़ज़ीलतसे;
हुवा है चांद निक़ाबे, सहाबमें रूपोशी.
नहीं शिताब न जुनू मरहमें, जवानि रो सुलफ़;
नहींके जोशसे डरता है, दिल कुंगांनो फ़ुरारी.
न होवे सूर कियामतके, शोरसे बेदार;
जो कोई ख़्यालमें उस चश्मके, हुवा है नोशी.
तेरे दो नयनकूं जे हम सरको दिल हैरां है;
सुना नहींकुं कहीं दो हिलाल, दोशा ब दोशी.

અફ઼સુરદહ દિલ હૂં જ઼માનેકી, સર્દ મોહરીસે;
જ઼બાન નહીં હૈ અગર, મિસ્લે શમ્અ હૂં ખ઼ામોશ.
કમહે અક઼્લસે આલમ હૈ, મિસાલે સિરાજ;
જો ઉસ્કી શમ્અકે જ઼ુનૌર કા હૈ, હલ્ક઼એ ગોશ.

ગ઼જ઼લે યક઼ીન. ૧૪૪

રાતદિન જ઼ુલ્ફાંકો હૈ દિલ હાય, મઈનુંકા તલાશ;
રોજ઼ે શબ લૈલીકો થા દરપૈ મજનૂં કા તલાશ.
ખ઼ાઁક રંગીસે ગલી તેરી કો, મરીહદ કર દિયા;
મર ગયે હૈં દમ કર, ઉસ પરભી પુર જૂંકા, તલાશ.
જિસ તરહ઼સે ઢુંઢતે હૈં, લોગ, ખ઼ાતિર હાથે શાહ.
ઇસ તરહ઼ રહતા હૈ, મુઝકો અંગે મહ઼જ઼ૂંકા તલાશ.
ઐસી મેરી લગ રહી હૈ સાયરોં કી જુસ્તજૂ;
જિસ તરહ઼ હોતા હૈ, અઈયૂની કો અઈયુંકા તલાશ.
શાયરી હૈ લઈજે માનાસે પરે લેકિન યક઼ીન;
કૌન સમઝે યહાં તો હૈ ઇલ્કામેં મઝ઼મૂંકા તલાશ.

ગ઼જ઼લે શાહેનઝ઼ર. ૧૪૫

જાહીન દિખા જ઼ઝ઼મમેં, તુમ્હકી ગરદિશ;
યાદ આતી હૈ પરીને જુલ્ફે, જુદકામકી ગરદિશ.
વો કૈ શબ ન મેરે પાસ યો: આયા મહેતાબ;
યાદ હૈ મુઝે નહીં વોહ મેરે કામકી ગરદિશ;

ફિરતી હૈ મેરી જાન, ઝરોખેમેં હમેશાં;
અબતક ભી મેરે સાથ હૈ, ખૈયામકી ગરદિશ.
આંખોંકે તસવ્વુરમેં, તેરે સ્યાહ, મેં લિખતા;
જ઼ામાને મેરે નજ દમે ઘેરકામકી ગરદિશ.
મય તરતેહી સાકીકે નૈહર દૂર ગયા જામ;
ફિરમત હીમેં થી રિંદે મય, આરામકી ગરદિશ.

રદીફ઼સ્યાદની.

ગ઼ઝલેરંગ. ૧૪૬

મરતબા હક઼ દિયા હૈ, તુમકો ખારસ;
તુમસે રબતા હૈ, દિલ મેરા, ઇખલાસ.
ગૈરકી જા મેરે, દમાગ઼ નહીં;
ઉલ્ફ઼તે દિલ અજબ હૈ, ખાસુલખાસ.
ફ઼ાલે તકલીદ હૈ, તાલિબે દુન્યા;
નિસ્તર હરસે બના, હુવા રકાસ.
આપ બિના ઇતફ઼ના હોવે પનાહ.
મુરહદ ઇ. ટ હૈ, સૂર ન ઇખ઼લાસ;
બહરે માના મેં, ગરક હોગા રંગ;
હાથ આયા સુમનકા, હો ગવ્વાસ.

ग़ज़ले इनशा - १४७

क्युं न दिल दूं उसे, दुन्यामें नहीं, ऐसा शख़्स;
यारो देखा भी है, दुन्यामें कहीं, ऐसा शख़्स.

जोके दरयाके नहंगतमें, न रोले क्युं कर;
जिस घडी गुस्सेमें होवेगी, वह जी ऐसा शख़्स.

थरथरीजवुं
जिसकी सूरतकी तरह देख, लिये थरकी सब अपने;
सरदार
यादिये वहममें हो सुद्दर, जिसी ऐसा शख़्स.

कोई मुमकिन है, भला बन जाये, देखें तो;
झीणो
दोस्तो सबके हुवा, दरसरे की, ऐसा शख़्स.

क्युं ज़रा बात न हो, आनके इस्लाम भला;
दीननो डुबाडनारो
हो जो बुतख़ानेमें गारत गरे, दी ऐसा शख़्स.

सब मकानातसे फिर क्युं न, तरह हो दिल को;
रहेनार
देख जिस दिलमें हो, जलवा मकी ऐसा शख़्स.

चरसनारो गाळी आशुक
आशिक़, ने दूध सनम जाना हो, कम रखे हैं;
इससे गुजराने फिर देसे, भरी ऐसा शख़्स.

खुशी
यारब इनशाको सदा ऐशो तरबमें रखना;
गायकीन
ऐसे हैं औरे कुदरतसे हो हुवे ऐसा शख़्स.

ग़ज़ले सिराज · १४८

सोना मन घडनार
कुछ इश्क़ में गुमान नहीं, सीमियाके साथ;
सोनेरी
जिसके असरसे रंगमें है, तिलाके साथ.

तुझ ऊरूकुका मरीज़ है, बेताब दिल मेरा;
दे ऐ तबीब, वस्लसे उसको, दवाए यास.
मुझको न सूझ दिलमें, हुवे आशिकों मिसाल;
सब मुब्तलाए आम है, मैं मुब्तलाए खास.
जुज़ ग़म नहीं रफ़ीक़, मेरा ख्वुंके फ़िक्रमें;
दरदे फ़िराक़ मुझको हुवा, आशिनाए खास.
थी तिश्नगे विसालकी, कौसरकी आरज़ू;
दीदारका है शरबत उसे, मुद्दआए खास.
मुझपर निगाह करम है, और लुत्फ़ आमपर;
है दिल पसंद मुझको, सनमकी अदाए खास.
ऐ शूफ़ तेरे हुस्नका परवाना है सिराज;
तेरे सिवा नहीं है, उसे दिलरुबाए खास.

ग़ज़ले सोज़ १४९

आसूदा गैर चरख़ नहीं, आशिनाए हिर्स;
दिलमें फ़क़ीर दूर किये, गदाए हिर्स.
कर मुंहको कुछ होश, किनाअत यह आलमान;
रहती है साथ तरफ़की, आइत कलमे हिर्स.
इनसान हो ज़लील, ज़मानेके हाथसे;
खिदमत किसीकी कोई न रखे सिवाए हिर्स.
अपने सिवा किसीको न पाया, करीब है;

(વેલરળુી … જમાનો)
કી કુલ઼જ રોઝગારને મુઝપર કીઆ એ હિરસ.
(પુરો)
અપડાલ હર તરહસે, ન પૂજી અસર હો સોજ઼ ;
પર દરમિયાંન હોવે, અશારતેક પાએ હિરસ.

રહીકુનપાહની.

ગ઼ઝલે છનીશા. ૧૫૦

લેકી સુરા ન હિલકો તૂ એ બેવફા ગ઼રજ઼ ;
આયે ન મેરે પાસ, તુઝે અબ સો ક્યા ગ઼રજ઼.
અપની ગલીમેં દેખકે, કેહને લગા મુઝે ;
ક્યા મેરે પાસ આનેસે તુઝકો ભલા ગ઼રજ઼.
ક્યા ફાયદા હૈ કિસ્સિએ ડાકીકે પાસ્ને ;
(ફાયદા … મતલબ)
મુશ્કિલ સબબ હુસૂલમેં, કુછ મુદ્દઆ ગ઼રજ઼.
(લોલકુલ)
મુતલક ન આશીનાછે એ, દુન્યાપે ડર ઘમંડ
ઝાહેર પરસ્ત હોલે હૈ, સબ આશીના ગ઼રજ઼.
(તરફ)
છનીશા ખ્યાલ મહુજ઼ હૈ, ઉસ્પર ન ભૂલયો;
હરગિજ઼ કિસીકે સાથ ન ડાલે, ખુદા ગ઼રજ઼.

ગ઼ઝલે સિરાજ. ૧૫૧

માયેલ હૂં ગુલબદનકા, મુઝે ગુલસે ક્યા ગ઼રજ઼;
(એ નામનું એક ફુલ)
કાકુલમેં ઉસકે બંદ હૂં સુમ્બુલસે ક્યા ગ઼રજ઼.
ખૂની દિલોંકે કતલકો, સીધી નિગાહ બસ;
(કુંતાની … ગફલત કરવી)
કુછ તેગકી ફીસાન, તગાફુલસે ક્યા ગ઼રજ઼.

જસે હૈ ગુબારે રાહે, લિબાસે શાહનશાહી;
સુલતાને બેફુદીકો, તઅમુલસે ક્યા ગરજ.
હમે મજે ખલસ્તસે જે ખુદહૂં મે સિરાજ;
દૌરે શરાબે શીરિએ પુરમુલસે ક્યા ગરજ.

ગજલે સૌદા. ૧૫૨

છોડા મૈ કુફ્રો દીં હૈ, ફકત યારસે ગરજ;
તસબીહસે ન કામ, ન જુન્નારસે ગરજ.
સીનેમેં દિલ જો હૈ, સો તેરી યાદકે લિયે;
બુત દીદ ક્યા હૈ, દીદએ ખૂંબારસે ગરજ.
તૂબાકી છાંવ તુઝકો, મુબારક હો જાહેદા;
હૈ દિલકો અપને સાયએ, દીવારસે ગરજ.
તુમ કાન ધર સુનો, ન સુનો ઉસકે હર્ફકો;
સૌદાકો હૈગી અપની હી, ગુફ્તારસે ગરજ.
મુઝકો કુછ ઔર ફિક્ર, યહાંકે સિવા નહીં;
દીવાનએ સુખનકો ન, હુશીયારસે ગરજ.

ગજલે યકીન. ૧૫૩

હુઆ સુને નઝર જુબ મશહૂર, દીવાનેકી આદત;
નહીં પોહોંચતી કાનતક ઉસ સુબ્હે [illegible]
ગરમી ઝહૂરે આલમસે, મગરૂરકે મૈ હોતા હું દાગ.
રાહતકી ફિક્રમતમેં હૈ, [illegible]

रशीदा मुझ दिलसा न पाये और तेरी आंखोंसा आहु-
- भ;
दारूनुं पीठुं
की अगर साकी हमारा साथ, मैख़ानेकी अरज़.
दिलको धीरांमत करो, यह है जुनूंका पाये तख़्त;
मैं परी अहां कलु सुनतथे, दीवानेकी अरज़.
અફાર ... ઘાલી
ईश्क़ अली है यक़ी और बाग़ बांसे ये इझार;
कोई करता नहीं हमारे बाग़में आनेकी अरज़.

रहीई तोयनी.

ग़ज़ले मौलवी अब्दुल्लाह. १५४

अे केर तेरी ज़ुल्फ़ सियह पे नज़र होवे अेक ही दममें यो दम
काळो साप (सर्प) अगालत;
किसे मारे सियहका हाल कर असर केरे कयुं न यो: होशो कुदम
अगालत.
नहीं तुझको गरज़ कुछ, तीरो कमां युं ही मुहब्बतमें ले तू हमारो की
मन,
तेरा तीरे निगाह है, और अबरूकमां अेकेर सोई तुरके आलम
अगालत;
जनार (थाकु)
नहीं छिपते है तेरा गुनाह बरा बरा मारे कोई दमे यूनो यरा;
कहां उसका किसा सहियत है, तला, अे है आप ही आप मेंहमल
गालत.
दिखो जुल्जुलो गुलका निआहर नमके से करते हैं मिलके ये: याह
अहम,
नहीं कोई है उनमें से यक़ीन अनम, ले हो कौलो क़रारो क़सम घ
गालत.
... ये: केरमसे तु रंज छोड़ तेरे फ़िक़रमें तडपूं मैं आठों पहर;
... नि मिले मुझ छिपाके उधर नज़र छिपे तु छीनता ज़ालिम
अगालत.

ग़ज़ले सिराज. १५५

... ... मुहब्बत ग़ालत;

હૈ તુઝ લબોંકો દેખ, મ્રીઝ, ચમન ગ઼લત.
બુલબુલને દેખ બાગ઼મેં રૂખ઼સાર ગુલબદન;
ફ઼રહ્યૂ કિયાં કે રફ઼ૂ એ, બરગે સમન ગ઼લત.
બૈઠ બચનમેં યા઼દ઼ા ખ઼િલાફ઼ીકા બોલ બો;
હરગિજ઼ ન બોલ બોલ એ શીરીં દહન ગ઼લત.
ડરતા હું તુઝ ભવાંકી ઈશારતસે દમ બદમ;
હોતા નહી હૈ સૈફ઼ ન઼બાંકા સુખન ગ઼લત.
રૌશન હૈ એ સિરાજ઼ કે ફ઼ાની હૈ સબ જહાન;
મજલીસ ગ઼લત હૈ, બઝ્મ ગ઼લત, અંજુમન ગ઼લત.

ગ઼ઝલે સોન. ૧૫૬

અબ ઝ઼રર કરને લગા, દિલકો બુતાં કઈ ખ઼્તેલાત;
રખતો હૈ ઈન બેવફ઼ાયોંસે કફ઼ાંકા ઈખ઼્તેલાત.
અબ કોઈ હમકો મચાયેગી, ખ઼િઝ઼ાં યહાં આકે ધૂમ;
અંદલીબાં છોડદો, તુમ ગુલસિતાંકા ઈખ઼્તેલાત.
નાકિસાંકી દોસ્તી દેતી હૈ દીનો, ઈમાંકો ઉજાડ;
પૂછલો જાકે ગુલિસ્તાંસે, ખ઼િઝ઼ાંકા ઈખ઼્તેલાત.
ખ઼ાકસે જીસને બનાયા, કુદરતે ઈનસાનકો;
ઢૂંઢ઼ ગર ચાહે તો કર ઉસ બાગ઼બાંકા ઈખ઼્તેલાત.
એ સિરાજ઼ મત દિલ લગાઓ મુશ્ફ઼િકો બેવફાઓંસે;
હાકિમી લેંહે જા ઝાડો મેરબાંકા ઈખ઼્તેલાત.

रदीफ़े नूनी

ग़ज़ले यक़ीन-१५७

था मुलांके बज़्ममें, आनेका हुज़्न;
हमको शिकायतका उन्होंके काम फ़रमानेका हुज़्न.
दर्दमंदोंको नहीं है, वस्लमें राहत नसीब;
देख लीजे शम्अके मिलनेसे परवानेका हुज़्न.
जिसतरह गुल दरता है, उसतरह बुलबुलका हि-
ज्र;
क्या रहा गुलचींके हाथों बाग़में आनेका हुज़्न.
जो निकलता है मेरा उसपर, के कब आवेगा हाथ;
यारके पांउं पे सरको रखके मरजानेका हुज़्न.
जूझता है फ़ुज़ कैफ़ियत, नज़रकी यक़ीन.
उस निगाहे मस्तसे लेता है, मैख़ानेका हुज़्न.

ग़ज़ले हाल-१५८

सुबह जेडासनके निकला घरसे दिलबर ख़ल्क़ीन;
आग रखता है ये: किस किसके जिगरपर ख़ल्क़ीन
देखये होता है, क्या रहती है या जाती है जान;
इन दिनों बिगड़ा है, हमसे कीना परवर ख़ल्क़ीन
तेरी ये: तेढी निगाह और लेगा जाके देख कर;
जाके जाके जोश छिलते हैं, बहादुर ख़ल्क़ीन.
है क़ैद: हुस्नकी सुकरसे दिल सुहूलत इसलिये यार;

वसनार गाली धणीयार
साक़िये हूरे सनम कहते हैं, अकुसर जान्हु ईस.

हाल उस ना आशनासे देखिये, कैसुंकर बने;

नबी
आज कहते हैं पुकारेंगे पयंबर जान्हु ईस.

रदीफ़ ऐनकी.

ग़ज़ले यक़ीन. १५९

दीवानापणुं
दिल जुनूंके आज पोंहचे, हारीयारां अलवदाअ्;

बाहार मोसम
इस्ले गुल नज़दीक आई है, गिरेबां अलवदाअ्.

आळा
मैं हम रुख़सत के अबके, साल जाधें आरीयां;

रूखसत
जागबांका हुक्म युं है, ऐ गुलिस्तां अलवदाअ्.

दारूखानुं ईरादो
मैकदेसे कस्द मकैका, किया है क्या करें;

शराबखार
तोबा हमसे हो गई ऐ, मय परस्तां अलवदाअ्.

उज्जड
हमसे था वीराना, कुह आबाद, सो हम ली चले;

नेगेहबान हरणो
अब खुदा हाफ़िज़ तुम्हारा ऐ ग़ज़ालां अलवदाअ्.

नाताकती शक्ती
नातवानीसे छुटे जब मेरे नज़ाकी ताबनें;

रूखसत
अब यक़ीं जूदा हुवा है, नय नयानां अलवदाअ्.

ग़ज़ले सिराज. १६०

चमक
तुझ मुखड़ी ताब देख, हुई बेक़रार शम्अ्.

जलती है जिसमें छिड़के में, परवानावार शम्अ्.

अलीशय (बळवुं)
आज़ु जलके तुझ ख़यालमें है, यकसे खूं छिड़कां;

फ़ानूसमें ये आंखों के हुई, गुल हुवार शम्अ्.

આ જગમે આશિકોંમેં શૈદાની એ મુજ્હ હૂ;

આંસુ પાડનાર.

હર રોજ તેરે ફિરાકમેં હૈ, અશ્કબાર ચશ્મ.

તૂ જાનકે રૂખપે ઇસ જાતે, રેહાંકો દેખકર;

બિજલી હૈ આહ દૂરસે જાતે, ગુબાર ચશ્મ.

પરસીનો.

ચેહરેસે ઉસકે નૈં હૈ અજબ, ગર અરક ચલે.

દેખેસે હોકે કુરબાનકો હૈ, શરમસાર ચશ્મ.

શરમાદા.

તેરા જમાલ દેખકે જૂબાં, હુએ ખજલ;

જે નૂર હૈ સૂરજકે જું આગે હજાર ચશ્મ.

દેખા હૈ જબસે ઉસ ગુલે રૂખસારકો સિરાજ;

કાંટો.

આંખોંમે હૈ પતંગકે, માનિન્દ ખાર ચશ્મ.

રદીફ ગૈનની.

ગઝલે મીર તકી. ૧૬૧

જુઠ. જુઠ.

હમ ઔર તેરી ગલીસે, સફર દરોગ દરોગ;

કહાં દમાગ હમેં ઇસ કદર, દરોગ દરોગ.

જુદાઈ દુશ્મની.

હમ ઔર તુમસે મહબ્બત તુમ્હે જિદાઈ જિદાઈ;

તુમ ઔર પુછો હમારી ખબર, દરોગ દરોગ.

રોશની. સાચી.

ફરોગ કુછ નહીં દાયેકો, સુબ્હે સાદિક કે;

વાયુ

રાજે ફિરાકકો કેહ હૈ, સહર દરોગ દરોગ.

ઝાંખા.

ગલત ગલતકે રહે, તુમસે હમ તુનુક ગાફિલ;

હમ ઔર કિબ્રૂસે જૂને દિગર દરોગ દરોગ.

કિસીકે ઠેકનેસે મત અદશુમાં હો મીરસે તૂ;
યોઃ ઔર ઉસકો કિસીપર, નજર હોગા હોગા.

ગઝલે સિરાજ ૧૫૨

પાયા હૂં ઈશ્ક જહાનમેં અજબ યાર બે હરેગ;
હૈ જિસકા નામ જગમેં સિતમગાર બે હરેગ.
જે દર્દ અગર મિલે જે કિસી દર્દમંદકો;
જેસા મુઝે મિલા હૈ યોઃ દિલદાર બે હરેગ.
ઉમ્મીદ હૈ તેરેસે સજન મેહરકી નિગાહ;
લગે જફાકા મુઝપે નજર ધાર બે હરેગ.
હો આશના મેરેસે, બેગાના હો ગયા;
દિલ લેકે ક્યું કિયા હૈ, ફિર ઈનકાર બે હરેગ.
ખાં ઝુકા મેરે મૂંહ તેરે ગમસે એ સનમ;
મનસૂર હો પલકપે ચઢા, દાર બે હરેગ.
યેક બાર અપને પ્યારસે હાલે સિરાજ પૂછ;
કુછ ખૂબ નહીં લગા કુલે ફરબાર બે હરેગ.

રદીફ ડુની.

ગઝલે સોઝ ૧૫૩

જિંદગી આખિર હુઈ, આયા ન યોઃ દિલદાર હૈ હૈ;
મરતે મરતે ભી ન દિખલાયા, મુઝે દીદાર હૈ હૈ.
મેં ભી બેહદ થા, અગર મિલતે તો ક્યા, ખતા ખૂન-

पर तेरे दिलमें न आया, हैफ़ मेरे यार हैफ़.
ले चले दुन्यासे हम अरमान, तेरे वस्लका;
गोरमें निकलेगी ये आवाज़ ये बेयार हैफ़.
हुस्ने सूरतका है आलम मेरे प्यारे हुस्ने ख़ुल्क़;
ये: तेरी सूरत हुलानी, और ये: अत्वार हैफ़.
शेअर पढना बात करना, मुस्कुराना अब कहां;
सोज़के मुंहसे यही सुनते हैं लाखों बार हैफ़.

ग़ज़ले सिराज़. १५४

मीसाले हल्क़ये, नज़र है ज़ुल्फ़;
बलाये जाने, हर नख़्चीर है ज़ुल्फ़.
क़ियामत जग फ़सादी ने है मुमकिन;
दिले आशिक़की दामनगीर है ज़ुल्फ़.
कुछ हल मुश्केलात, सूर मे नूर;
किताबे हुस्नकी तफ़सीर है ज़ुल्फ़.
दिया है सफ़हये, रुख़सारको बेल;
अजब ये: ख़ुशनुमा, तहरीर है ज़ुल्फ़.
नसीबे ख़स्म है, ख़ाबे परेशां;
सिराज आंख ख़ाबकी ताबीर है ज़ुल्फ़.

ग़ज़ले ग़ुलामे अहमद. १६५

मक़्सदे इश्क़में हासिल नहीं, होता येक हर्फ़,
गर करे उम्र तमाम अपनी इसीमें जस सर्फ़.
इश्क़का इल्म है, ऐसाके नहीं उसको कनार;
जोके तहसील करेगा वोही, पायेगा शर्फ़.
ख़तरे अजज़पे कर, उसकी निगाह क्या मुमकिन;
किसका मक़दूर है, और किसका मियां होगा ज़र्फ़.
वस्लेहा इश्के सनम जुल्फ़के वस्लैल सब्ज़,
क्या क़यामतके ये: दिन रात हैं, जस दोनों शगर्फ़.
अहमद अब इश्क़की आतशसे सरापा है गुदाज़;
ताबे ख़ुरशीदसे जैसाके पिघलता है बर्फ़.

रदीफ़ क़ाफ़की.

ग़ज़ले इनशा. १६६

आले नज़र चांदसे उस मुखड़ेका, घूंघट आशिक़;
कभु न फिर लेवे बलायें तेरी घर घर आशिक़.
नहीं मालूम अब तुमने ये: क्या पढ़ फूंका;
के तुम्हें देखते ही होगये, घर घर आशिक़.
लागते फिरते हैं कुछ और, उठाता है मज़ा;
जाके छड़्यां तेरे हाथोंसे, सरासर आशिक़.
मैं इसी तुम कहो गैरोंसे, बहम और अपने से;

घूंट लोहूके पिये क्युंन, गरागर आशिक.
घरसे बाहेर निकल आ पूनसे अपने सरके;
सुर्ख करता है मगर न, तेरी चौसर आशिक.
छिपके क्या मूंह हे आंखें, अरे बस तोडके बोल;
ताड जलता है तेरे पांउकी, आकर आशिक.
आठि संग सैरको ने आगे घरमकी परथां;
सो कुछ देखके तेरा येह, छपरजर आशिक.
ऐ नसीमे सहरी उसने येः कहियो के तेरा;
रातभर जलतां जहलता नही, करवर आशिक.
ओक गजल और नये, काफियामें कर छनरी;
जिसके सुननेसे हो मायूक भी जरपर आशिक.

गजले सिरान. १६७

है तसली जज्बा नजसे परलये असरारे इश्क;
तबस मेरा दिल हुवा है, मतलओ अनवारे इश्क.
पा गया है येह जे मकसूदको लैलीके वाह;
हो हुवा है जिसके मजनूं बुलबुले, गुलजारे इश्क.
उसको आकूलते हरारतसे नही, आसेब कुछ;
जिसको ताबीने गुरूबे दिल हुवा तूमारे इश्क.
मन कहे दिलको न पाया दोस्त के रेहले ब दस्त;
लेके गमके जिरह यारो अब नही, मैं मारे इश्क.

કે ખયાલે ચશ્મે ખૂબાં રોગને બાદામ સે;
જિસતરે જે લાગી, દિલપર બને હૈ, બીમારે ઇશ્ક;
ઉસકો હૈ નિત બેદ આની નાલઓ ફરયાદકી;
ઝરન બરહમન કો ગલેકા હાર હૈ, ઝુન્નારે ઇશ્ક.
બેજબર હૈ મફઝિલે, કૌનેનસે મિસ્લે, સિરાજ;
બે ફુયાંહૈ બેખુદીકે બમસે, સરશારે ઇશ્ક.

રદીફ કાફની.

ગઝલે ઇન્નરીશા. ૧૬૮

સ્ડ દિનરાતકી સોહબતમેં, નહીં હોતે શરીક;
હમકો કયા ફાયદા, ગર આય બોહોત હૈ નજદીક.
અબતો તુડ ફોડે, બડે બાલ હમારી, સુનલો;
રાહ હૈ હમકો બાહર પડા હૈ તારીક.
ગાન બે હથિસ ફલશૈકે, તૂને આયા;
અપને લોહુકે ગરબ, ઘૂંટ પિયે હૈ, હર ઇશ્ક.
દૂર હો ચાહિયે ચહેરાતસ નિકલ એ મતલબ;
કિસ ચસીલેસ મિલી તુઝકો, યહાં યે તનલીક.
ચાહિયે ઇશ્કમેં **ઇન્નરીશા** તુ સંતલબકર બના;
હાં પખરદાર કે યે, રાહ બોહોત હૈ, બારીક.

ગઝલે સોદા. ૧૬૯

હોકે કરતે હૈં મુઝે કત્લ બહમ, યારો મેં;

गमज़ओ नाज़ो अदा, छीन्या सनम यारों अेक;
दिलमें लुब्बों तअद्दियों नह्रा, आलममें;
होके आपसमें गज़े, सूजे अदम यारों अेक·
कुडम रखते हैं जो मैदाने सुखन तेरे पास;
नेन ओ तीरे कज़ सैही कलम यारों अेक·
रोहे मरदां तेरी ज़िलकत, जेन होती मंजूर;
होते अनसुर न कलू मिलके, जहम यारों अेक·
अनपरी सानदीयो, जाफ़ानियों, महार्क तरा;
रेलने शेरो सुख़नमें हैं, जहम यारों अेक·
जिसके तू पास न होवे, तो उसे आलममें;
मनलिसो रोहीयो, तनहाईयो गम यारों अेक
कागज़े नामओ तहरीरो, किताबत सोहा;
होके कहते हैं जो तगअफ़ुल, करम यारों अेक·

गज़ले सोज़· १७०

रोनेसे मेरे ताज कुब दिलसे आये अशक;
निकले है फ़ूल चश्म से, अजतो जलाये अशक·
पुने अगर नेथा सो था; आखोंसे बह गया;
आता है लेजके दिल ही जला, अब कहाजे अशक·
रोनेसे जान हम कहे, आता है राज़सा;
ले जाके पांव तक न हमें ता घुलाये अशक·

नज़रोंसे जो किसीके, गिरे बोल क्या सके.
किस्ने सुनी है आंखसे गिरते सदाये अश्के.
आंखोंसे अेकदम नहीं, होता मेरे जुदा;
मै सोज़ क्या करुं मैं, बयाने वफ़ाये अश्कें.

ग़ज़ले मोहकम. १७१

ख़ितूरसे नजदीकी मो अत्तर उस्ने, कबूल येह जायेह;
होगया जिस सूंघतेही मस्त, सुम्बुल येह जायेह.
था करे जंद कुजा यो: गुल चमनमें जाके बस;
क्युं न उड जाये अजब नगहते गुल येह जायेह.
गुन्चओ गुल रकस़ को आये, जब उस गुलके हुज़ूर;
लग गइ गाने तराना सुनके, बुलबुल येह जायेह.
शीरीजां साग़िरो साक़ी पीते हैं, वहदतकी मय;
शौकमें आकर मस्ती करने लगे, गुल येह जायेह.
गैरे तनहाइ न देखा, और कुछ बिस्तरपे आह;
ज़ाबसे न चश्मे मोहकम राजगइ फुल येह जायेह.

ग़ज़ले सोज़. १७२

मुझको तोहमत मत लगा, बहरे खुदा तुझे रूलके.
हाथ ली पोंछया नहीं अबतक मेरा दामन तलक.
हां मगर तक़सीर येः कहिये के, अेक दीन बाग़में:
रंज़न जो दीदारसे देखीथी, कातिलकी झलक.

इस गुनह पर जो तेरे दिलमें, होसो तु कर सुलूक;
ले गयाथा उस शराबीके कूचे, मैं दिल गरक·
और थी अेक बात याद आती, के मैं भूला नहीं;
ले गया मैं पास उसके, उठ गया दामन झटक·
देखकर मुजको नहायत, तैशसे बोलाके ओ;
अपने कूचेसे न रख तु पाउं, आगे चल सरक·
रह गया अपनासा मुंह, लेकर कदम पीछे पडा;
हर कदम पर बार खिजलतके, मै रहताथा लिचक·
इस गुनहपर जो तेरे दिलमें हो, ऐ चर्खे कोहन;
अपने इस दिल सोखताको, हाथमें रख या पटक·

ग़ज़ल असरह १७३

आहको चाहिये अेक उम्र, असर होते तक;
कौन जीता है तेरी जुल्फके, सर होते तक·
दाम हर मौजमें है, हल्कअे सद कामे नहंग;
देखें क्या गुज़रे है, कतरेपे, गोहर होते तक·
आशिकी सब्र तलब, और तमन्ना बेताब;
दिलका क्या रंग करूं खूने, जिगर होते तक·
हमने माना के तगाफुल, न करोगे लेकिन;
खाक हो जायेंगे हम, तुमको खबर होते तक·
ग़मे हस्तीका असद किससे हो जुज़ मर्ग इलाज;

શમ્અ હર રંગમેં જલતી હૈ, સહર હોને તક.

રદીફ઼ ગાફ઼

ગ઼ઝલે સૌદા ૧૭૪

કરતી હૈ મેરે દિલમેં તેરી, જલવહગરી (પ્રકાશ) રંગ;
જિસ શીશેમેં હર આન (હરઘડી), દિખાતી હૈ પરી રંગ.
કિસ રંગમેં હૈ જાન તેરે, રંગકા જલવહ;
જબ રંગમેં હૈ તૂ યેહ, તેરા સબસે પરી રંગ.
જો શીશહગરાં દિલ   હોવે, તૂરા જો બનાયે;
પૈદા કરે ફિર ઔરહી કુછ, શીશહગરી રંગ.
હૈ ખ઼ાક બસર આજ, જુદા જબ્ને ચમનકા;
દેખ આ કિ હૈ ક્યા જબ્ને, નસીમે (હવા) સહરી (સવારની) રંગ.
કિસ ગુલમેં યહ જલવહ હૈ કે, જબ હુસ્નો કુદસમેં;
દિખલાતી હૈ મેરી મુઝે, જો આલો પરી રંગ.
હર જમઅ ને ઉરયાનીકા, ખ઼ા. (ચાદીઓ) ફિક્રતરી સૌદા;
હો જ઼ઝમેં સદ્દર હાંસે તો હૈ, યહ સહરી રંગ.

ગ઼ઝલે જુરઅત ૧૭૫

રખતા હૈ જો મહ્રે યે: દિલે તંગ રંગ ઢંગ;
સો યો: તમામ ખ઼લ્ક (દુનિયા) કા હૈ, સંગ રંગ ઢંગ.
(…) ખ઼ર જો ખ઼ો, મુઝસે કરતા હૈ, હર દમ તેરી તરહ;
સીખ઼ા યેઃ તુઝસે દિલ લગી, ખ઼ાક જંગ (લડાઈ) રંગ ઢંગ.

क्या ढंग जोहरे फ़स्लमें है जे रीराज शौज़;
रखता है और जारसे, गुल रंगारंग ढंग.
दिल मेरा क्युं था तो फोड़ नथा, देखिये हमें;
अब क्या दिखाउं दिलका मेरे, रंगारंग ढंग.
जबसे दिया है तूंने, चमनकी तरफ़ गुज़र;
गुल देखकर हुवा है, जिगर दंगारंग ढंग.
जो रंगो माना शेरमें जुस्सतके हैं सो येह;
सांच न कोइ सेकडों, कुर संगारंग ढंग.

गज़ले सोदा. १७६

कूडी है धरकी तपने, हमारे तनमें आग;
चके है जूं शो. लजे फ़ानुस, पयरा हनमें आग.
रंग गुल कुछ जे तरह दमके है, ये अबरे बहार;
आतिश्यां मेरा छडक लगती है, अब गुलशनमें आग.
जालमें कुछ नहीं है, फूलने हूर होद के;
जेरीमें आकर लगादी, कोहके दामनमें आग.
बिरहमें है धूम होरीकी, व लेकिन तुझ बगैर;
ये: गुलाल उडता है, क्युं लगती है सारे तनमें आग.
रंग याकूतोंका दमके है, जो अंगारोंकी तरह;
हुस्नके जबसे तेरे अक्स लगी था. हनमें आग.
क्यों जवाब आके किसे सौदा, जला जाता है बाग़:

यूं चमनमें गुल नज़र पडते हैं, जूं गुलशनमें दाग़.

ग़ज़ले छिनरा. १७७

जसके था तेरी शबे फ़िरक़में, जो नूर पलंग;
मैंने भी डरथरें यहांतक के, कुचा चूर पलंग.
सेज फुलोंकी पडी ओरसी, इश्क़ पर है के जस;
सदके होती है तेरा देख, हरएक फूर पलंग.
चांदनीमें तू नसो, डीठे पे डर है के तेरा;
लेके होदनजे परी, डोछे न, ठाडूर पलंग.
जाद लेके तेरे नमगीगेका. जांके है चोःमाक;
देखना है उसे शायद तेरा, मनजूर पलंग.
जाज परयोंका उतारा है, यहांसे छिनरा;
माहताबी न बिछे, हैर जहरजूर पलंग.

ग़ज़ल तौहा. १७८

ज निकल जयेगा, सुनजो गुले जहन;
है कुचा हमसे तू, जेक जान जलग.
आशीके जरका तोर. × छिन दिनों है कुछ ओर.
जिसने गुल गमसे तेरे, गुनया दफ़न;
चाक दामन है, गिरे. जान जलग.
मय इशीका जेमल. × है यही जामे मुदा.

यार हो साक़ी हो, और सैरे चमन ;
पीयें ख़िलवत में मेरी जान अलग.
फ़ूल कूचोंकी हिना × भाती ज़ालोंपे नल्न.
दिलको ले लेते हैं, कर सैकडों फ़न ;
उनसे रहना तू कहा मान अलग.
सूरत आशिककी जला × हाये किस्तरह जला.
मारकी डाल है, मिस्सीकी डसन ;
ख़ून करता है इधर, पान अलग.
दिने किस किस्को ये दिल × माबरा है मुश्किल.
सौदा मांग लेर ज़ालोंकी, डसन ;
जिस्मरी हैं अनुके, परीशान अलग.

रहीईलाम

ग़ज़ल सोहा १७९

घिस चमनकी सैरपें आ, यार पीयें मिलके मुल ;
क्या मज़ाम्ने सानेमें, कुदरतने रंगी गिलके गुल.
चंद्न चोः हस्याके छवैं, गुज़रिये पुल बांधकर ;
मौहे चश्मे आशेकां, तोडे हैं पलमें पिलके पुल.
कुलका किस्के किया है, आह चैन आंखोंने अलम.
जीय कर लेगे रहे हैं, अबहूंभे कालिलके लुल.
जुहर्में लुक कुरनके बिस्को, कुपाहै दैगाले घिरके ;

मये गुल्गूंके रंग फिरते जो गर्दन, ऐसे शाग़िलके गुल.
फूलै मुश्किल किससे हां, सोहाकी, तुम बिन यास्मीं;
खोलदो मुश्किल कुशा, उक्दे मेरी मुश्किलके कुल.

गज़ले शहीद. १८०

जो गुल अन्दाम चमनमें तू, न खुल जर गदे गुल;
हर हाल है अली कहरके, गुल जर सरे गुल.
कुछ तो शब जनजा मफ़्तल है कि; हर रात निसार;
ऐयग़ खिदमसे तीआर रहती है. फूल जर सरे गुल.
डाल तो टूट गये, शोरो फुगांसे, बुल्बुल;
ऐसा बेहूदा तू कयु करती है, गुल जर सरे गुल.
अर्के फिस चेहरने, गुलरंग पे यूं लहराया;
जैसे शबनम रहे ब्रेताबीसे फूल जर सरे गुल.
हार के आमदे गुलशनकी, चमनोंमें शहीद;
संदलीओंकी पंखा चाहिये, फूल जर सर गुल.

गज़ले घनश्या. १८१

कस्न जमीपर हो तेरे कुश्तअसे, दीदारके फूल,
क्युं न फिर यहांसे छिगें नरगिस, बीमारके फूल.
कुश्तअसे लगे खड़का, हो से पंजे मन्सूर.
तो लगा कायदा क्या, तोडने गुलज़ारके फूल.
शजरे तूर अगर देखे त्तरा, फिरको कलीम;

जो न छावर करे सनसम, जमे जनपारके फूल.
क्युं न हैरत करे तारीफ, फिर जेसे फूल करो:
जिसमें भल फूंक को उसतु रंगने, दस्तारके फूल.

ग़ज़ले रक़्‌ १८२

मेरे दिलसे नहीं, मिलता तेरा दिल;
ओ होता है सख्त, तेरा जो बड़ा दिल.
फसाया मुजको, तूने क्युं बलामें;
तेरी तकसीर क्या, दीथी लला दिल.
गरज़ होता है जला, सख्त दुश्वार;
न हो या रब किसीका, मुबतला दिल.
नहीं है इख्तेयार, अपनेमें यारो.
मेरे अब हाथसे, जाता रहा दिल.
मैं अपनी जानसे, राजी हुं उसपर;
तेरी जबस जालमें होवे, रजा दिल.

ग़ज़ले ताजा १८३

क्युं मिला ज़ालिमसे तू, दिल हाय दिल, अफ़सोस दिल;
जीयता है क्या नड़ा दिल, हाय दिल, अफ़सोस दिल.
जैनने मालूम किया है, कतल में हमेंते.
तुझ सितमगरसे मिला दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.
किस परीने छिपाया, दिल मेरा मिलता नहीं;

कुछताक़ क्या हुवा दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.
जानता था मैं के वो, ज़ालिम निपट बे रहम है;
क्युं हुवा फिर मुब्तला दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.
दिलबर उस मग़रूर को, मुझसे कोई जाकर पूछा;
किस तरफ़ से रम गया दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.
किस से जा पूछूं, कहां ढूंढूं, निशां पाता नहीं;
क्या हुवा ताजां मेरा दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.

ग़ज़ले हमरंग. १८४

गुलसितां पाछे बिन गुल, हाय गुल अफ़सोस गुल;
यारियां कीन कहां गुल, हाय गुल अफ़सोस गुल.
गाह शादी गाह ग़म, गाह गुलिस्तां गाह बंद;
के चुकी तरने कहां गुल, हाय गुल अफ़सोस गुल.
दिल मेरा दागोंसे था, पुर आह शौले नालसे;
दाल गया सब ज़ानुमां, गुल हाय, गुल अफ़सोस गुल.
जलता घर इस कुल कहरमें, बैरसे सैयाद के;
हां गये हम नीम जां, गुल हाय गुल अफ़सोस गुल.
बागमें हमरंग मेरा, आनसारे अंदलीब;
थे यही करते फुगां गुल हाय, गुल अफ़सोस गुल.

ग़ज़ले कमतरशाह. १८५

ले गया वो: दिलरुबा दिल, आह दिल अफ़सोस दिल;
ये गया दिल वो: गया दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.
मैं न कहता था परेशाँ होगा, हर सौदाए ज़ुल्फ़;
ये गिरफ़्तारे बला दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.
लग गई किसकी नज़र, जो हो गया यूं मुज़महिल;
था भला चंगा मेरा दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.
नज़्द को दिलके समझकर, ज़ुल्फ़ने उस दिल जानेजाँ;
बे दिरम सस्ता लिया दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.
मैं न कहता था बुतोंसे ऐ दिले कमतर न मिल;
फिर जुदाई ने रज़ा दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.

ग़ज़ले अलीमुल्लाह. १८६

पीतम के देखनेको तमाशेको आये चल;
अपने पियाके ऐशकुने, आपही रिझाये चल.
दोनों जहां है जिसकी, तजल्लीसे ताबदार;
वो: आफ़ताबे हुस्न नज़रमें, निभाये चल.
जलसा किया है यारने, मह्फ़िले जलीमें आज;
ख़लवतमें जब पड़ीके पियाको बुलाये चल.
परवा नहीं है पियाको किसीके विसालसे;
इनसे उसीके उनको आपसमें रिझाये चल.

દમકા સબોદ કરકે, ઘેરાદેકા, તારબાંધ.

આવાજ

સુરે સદાકા સૂર, બજાકર સુનાએં ચલ.

આ દુન્યા· ખુશાલી·

નાસૂતસે ગુજરકે તઈંઈનસે એ અલીમ;

એહદુન્યાનુંનામ· ઉપેરી શોર·

લાહૂતકે મકાનમેં સદા, ગુલ મચાએં ચલ.

ગજલે વલી· ૧૮૭

દિલ લગા યારસે, ઉસ દિલકા છુડાના મુશ્કિલ;

ઈશ્કકા જખ્મ લગા ઉસ્કા, સિલાના મુશ્કિલ.

ફુરકત હૈ દામે બલા, જુલ્ફમેં દો કાલે નાગ;

જિસ્કો લગે નાગ ડસા, ઉસ્કા જીલાના મુશ્કિલ.

આતશે ઈશ્કને જોરુ તોફા કિયા, ખાના ખરાબ;

આગ દરયાકો લગી, ઉસ્કા બુઝાના મુશ્કિલ.

આગળના મણકા·

યાદ કરનેકો લિયા હાથમેં, મનકા મનકા;

દિલ ઉપર બોઝ પડે, મનકા ફીરાના મુશ્કિલ.

નાનુંછોકરૂં બેસમજ·

તિફ્લે નાદાન ફકીરા, મેરા ગમ એ પ્યારે;

શિખવવું

મકતબે ઈશ્કમેં, તાલીમ, દિલાના મુશ્કિલ.

જે ઉમ્ર યાદમેં ગુજરી સો, ગનીમત સમજો;

સો ગયા ઈશ્કમેં ફિર ઉસ્કા, જગાના મુશ્કિલ.

ભેદ· છુપો·

રાજે મખફી વલી જાહેર ન, કિસીસે કરના;

હાથસે બાત ગઈ ઉસ્કા, ફિર આના મુશ્કિલ.

रहीमीम·

ग़ज़ले सोदा·१९८

क्या मचाई है इश्क़ने मेरे दिलके, काशानेमें धूम;
शोर है जिसके लिये काबेमें, बुतख़ानेमें धूम·
ज़ुल्फ़को खोला तोकर, ईस दिलकी, सोज़िशकाई-
सख़्त दीवानेनेकी नज़र, दिल ज़नेमें धूम·
मिट गये वो शोर दिलके, आफ़तज आई जहार;
वरन क्या क्या हमची करते शोहरे वीरानेमें धूम·
ईस कदर है लागरी मेरेसे ख़ुश अज़नाले दूर
हूं दिलाले ईद के मेरे नज़र, आनेमें धूम·
तुज निगाहे गरमकी, हसरतसे, दिलमारे है जरी;
रातको देखुं हूं मैं नज, शम्अ परवानेमें धूम·
दिलको सुन कूचेमें तेरे, जब चली है कोने जरके;
हो गई जे चलके वहां, जतकाली दीवानेमें धूम·
कुब्ससे ऐ सोदा शेराज, ईस जलसमें, पीते हैं यार;
तूने जो कमज़रूकी पेहली ही, पैमानेमें धूम·

ग़ज़ले सोदा·१९९

ઘરઘર·
खाना परवरदे चमन हैं, आख़िर जे सैयाद हम;
ईतनी फुरसत दे के होलें, गुलसे कुछ आबाद हम·
ज़ेहरको गुल जे नमक, ईरचार बुलबुल, बेअसर·

ઈસ ચમનસે આહ બઉર, ક્યા કરૈંગે યાદ હમ.
ઝ઼બ્હ તૂ કરતા હૈ કુછ ફુરસત, ગલે લગનેકી દે;
ઈદ઼ કુરબાં હૈ તુઝે દેલેં, મુબારક બાદ હમ.
કૈ઼સ જિસ દમસે ગયા, અપને કદમકે ફૈ઼જ઼સે;
બાનમેં નજ઼ર રખતે હૈં, સદા આબાદ હમ.
નૈં નિકલ સકતે અસીરીસે, તેરી એ સરૂ કદ;
તૌક઼ કુમરીકી તરહ રખતે હૈં, માદર અબદ હમ.
હૈ જુનૂં મિસરા તેરા, સૌદાકી હૈ નજ઼રે પા;
બંદસે તેરે નહીં હોવૈંગે અબ આઝ઼ાદ હમ.

ગ઼જ઼લે સૌદા. ૧૯૦

ન ગરજ઼ કુફ્રસે રખતે હૈં, ન ઈસ્લામસે કામ;
મુદ્દઆ હમકો તો હૈ સાકીસે, ઔર જામસે કામ.
દિલે નાલાંકો મેરે, ફિક્રકે હૈ આરામસે કામ.
કોઈ બેચૈન રહો, અપને ઉસે કામસે કામ.
ક્યું ન જ઼ૂઈ઼ ચલે, હરએક જગહ મુકડા કર;
ન પડા ઉસકો તેરી જુલ્ફ઼કે, સિયહ ફ઼ામસે કામ.
ગર અકેલા કહીં મિલજાએ, હમેં તો દિલકા;
લીજે મન માનતા ઉસ તૂબે, ગુલ અન્દામસે કામ.
એહી આગાજ઼ તેરે કામકા, દેખા સૌદા;
યાને પો: દિલકે તુઝે, ઉસકે હો અંજામસે કામ.

हूं असीर उसका जैसे जाने, गिरफ़्तारिये सैद·
न गिरफ़्तारीसे मतलब रहे, न किसी दामसे काम·

ग़ज़ले सिराज· १८१

सनम हज़र हुवा तो, यही सनमका सनम;
कि असले हस्तिये नाबूद है, अदमका अदम·
इसी जहानमें गोया, मुझे बहिश्त मिली;
अगर मेरे पे रहोगे, यही करमका करम·
अली तो तुमने कहीथी, हमारी जां बख़्शी;
हूर मकहमेमें यह मानी, अलमका अलम·
वो गुल बदनका बदन है, मिस्ले रंगारंग;
सुबहको बुरक़ तो फ़िर शामको, सितमका सितम·
न रख सिराज किसी ख़ूबरूसे चश्मे वफ़ा;
सनम हज़र हुवा तो, यही सनमका सनम·

ग़ज़ले सिराज· १८२

न बोलके सबा यो दिलारामको सलाम;
मेरी तरफ़से दिलबर, गुलफ़ामको सलाम·
जस क़दको देख सरूपंक, उडते हैं फ़ाख्ता;
येऊ हम लेक वो सरवे गुल, अनदामको सलाम·
क़ासिदको लेके मुझको सरअफ़राज़ गरकरो;
नामेको दीदह आस, उस नामको सलाम·

जुज़ कपुं न होवे आेहदे, मुल्क उस्की सुब्ह रोज़;
क़ादिर न होवे मै करे, इस्लामको सलाम.
मैं इश्क़के तुफ़ैल किया, सैरे बाग़ दिल.
इस मुरा हवा बहारके, हंगामको सलाम.
हो बा बहरे हिलाल तुग़, अबरूके ख़मको रोज़;
करता है यां दरातके दिन, शामको सलाम.
साये बज़्म सिराज तो, क्या बज़्के आफ़्ताब;
हर सुब्ह उस सजनके, दरो बामको सलाम.

ग़ज़ले बज़्री. १९३

यूं सब्ज़ रोंदे जाते हैं, पैरोंके तले हम;
इस गरदिशे अफ़लाकसे, फूले न फले हम.
रोते हैं शबो रोज़, इसी फ़िकरसे या रब;
ग़ुञ्चेकी तरह बाग़में, गुल हो न खिले हम.
अरमान बोहोत रखतेथे, हम दिलके चमनमें;
बैठे न ख़ुशीसे कभू, सायेके तले हम.
जिस गुलपे नज़र करते हैं, जाता है नज़र ख़ार;
गुलशनमें पले जाते ही, कांटोंमे रुले हम.
हम बो: न कुलम थे, किसी मालीके लगाये;
नरगिसके नेहालोंमें, पे आसूके पले हम.
अफ़सोसके इस दिलको, कपल खिलते न पाया;

કોઈ દિનકો ચલે જાતે હૈં, માટીમેં મિલે હમ.
જબ પેહલેહી આગાઝમેં, પામાલ હુએ હાય;
ફરયાદ કરેં કિસ સેતી, કિસ્મતકુ જલે હમ.
હમ અપના અબસ કેહતે હૈં, જો દરદકે આગે;
બેબસ હો જહાં જા ગિરે, હરગિઝ ન રહે હમ.
ઝંદાને મુસીબતમેં સદા, કિસકો બુલાવેં;
રેહતે હૈં ચકોરી હીસે, દિનરાત મિલે હમ.

ગ઼ઝલે નઝ઼ી. ૧૫૪

નહીં તાબકે દેખું જમાલે સનમ મુઝે અપની બુરીનઝરીકી કસમ;
મુઝે હુસ્નકે જલવઃ ગીરીકી કસમ મુઝે ઈશ્કકી પેરદહદરીકી કસમ.
તેરે આશિકે ઝાર યહાં તુઝે દેખને, આતી હૈ બેલકુ જહાં;
કોઈ દેખા હૈ મુઝસા લી, સોખ્તા જાં તુઝે મેં ચીહી દીદહરીકી કસમ.
નહીં કારિદ યાર તુ ચીબ જબી, અભી અપના ખયાલ હૈ ઔરકી
અલી હારીકી અપને ખબરહીં નહીં તુઝે આજ મે બેખબરીકી કસમ.
શબે વસ્લકી હોંગ ઈ સુબ્હ જ્યાં કે તડપને લગા દિલે સોખ્તા જાં.
મેરે દીદએ તર હુએ શોલા ફિશાં મુઝે ઈસ શરરકે સહરીકી કસમ.
ન કર ઈતના નઝી તુ આરઝૂ લો હકે નસીબકે સુબ્હ નહીં;
તેરે શૌકસે આતી હૈ ખૂનકી બૂ મુઝે તેરી ઝાબ ઝગારીકી કસમ.

ગ઼ઝલે સોઝ઼. ૧૫૫

મૈ ગુલસે બાકી તરહ ફિરે, ઈસ ચમનમેં હમ;

पाजेब न पूछ पड़ी तेरे, पथर हनमें हम·
शीशेकी तरह शामसे, रोरोके ता सहर;
जाली करेहैं दिलको तेरे, अनजुमनमे हम·
फ़ानूस बीच शम्अ जले, जिसतरह फ़नोज़;
जलते हैं तेरे हिज्रसे, आलिम कइनमें हम·
रोशनाईहान तनसे हमारे, कुत्ती मे सोज़;
सतीकी तरह जलगये, कुछ मनही मनमें हम·

ग़ज़ले छब्बीसा·२६;

खिलभुजसे ऐ परी तुझे, ईनसानकी क़सम;
देता हूं तुजको तख़्ते, सुलैमानकी क़सम·
कुर्बीयांकी तुझको क़सम, और अर्शकी;
जिबरीलकी क़सम, तुझे रिज़वानकी क़सम·
तूबाकी सलसबीलकी, कौसरकी जनकी;
हूरो कुसूरो जन्नतो, गिलमानकी क़सम·
रूहुलकुद्सकी तुझको क़सम, और मसीहकी;
मरयमकी तुझको ईफ़्फ़तो, दामानकी क़सम·
तुझको मोहम्मद अरबीकी, क़सम हे और;
मौला अलीकी शाहे खुरासानकी, क़सम·
तौरेतकी क़सम, क़सम ईनजीलकी तुझे;
तुझको क़सम ज़बूरकी, क़ुरआनकी क़सम·

જિન્નતમેં જિસકે તૂ હૈ, ઉસીકી કસમ તુઝે;
ઔર અપને દીનો મઝહબો, ઈમાનકી કસમ.
દામનકો મેરે હાથસે, ઈસરાત મત ઝટક;
તુઝકો સફરકે યાકે, ગિરેબાનકી કસમ
મુદ્દતસે તેરે યાહ, બઝુલમ ગારી કહૂં;
જિલ્લાહ મુઝકો યૂસુફ, કનઆનકી કસમ.
કૈદી હું મેં તેરા, બજુદાવન્દિય ખુદા;
ઔર ઉસ અજલ મિસ્રકુ, જહાનકી કસમ.
મૂસાકી હે કસમ તુઝે, ઔર કોહ તૂરકી;
નૂરા ફરોગ જલવએ, તમ આનકી કસમ
સોગંદ અબ ઈસીકી તુઝે, કુછ દિખાઈએ;
સુન તુઝકો અપને જાનકી, ઔર આનકી કસમ.
નરગિસકી આંખકી કસમ, ઔર ગુલકે કાનકી.
તુઝકો સરે અકલકે, ગુલિસ્તાનકી કસમ.
તુઝકો કસમ હે ગુન્ચએ, બજકે લાકકી;
ઔર રોવે અંદલીબે, ગઝલખાનકી કસમ.
સોનેકી ગાયકી કસમ, ઔર હૈ નીલકી;
ફિર ઓલકી કસમ તુઝે, હામાનકી કસમ.
જિસ્તાર મેરા હૈ જારે, મુગીલાં જલાને કસ;
લૈલીકી હૈ તુઝે સદ્દે, મિઝગાનકી કસમ.

ऐसी मेरी क़सम भी न माने, तो है तुझे;

(મા બાપ)
जिनोंके क़िब्लए गाह, अबुल अमनकी क़सम.

(દરવેશ)
कोनेमें बाग़के वोः जो रहताहै एक जाबीस;

(નેકબખ્તી) (આબરૂદાર)
तुझको उसीके शौकतो, ज़ीशानकी क़सम.

(પહાડનુ નામ)
दश्त सुहीरकी क़सम, और कोहे ठाकूकी;

बाग़े इरमकी और, परस्तानकी क़सम.

लूना चमारकी क़सम, और कलवा बेरकी;

(દેવળ) (ઉજાસ)
काली बलाकी ग़ौल, बयाबानकी क़सम.

क़समें तो सारी हो चुकीं, बाक़ी रहीहै एक;

पीपल तलेकी चुडलनीकी, शैतानकी क़सम.

हां फिरतो कहिया हाय वोः, फिस्सारह हो ग़ज़ब;

इनशा न छेड तुझको, मेरी जानकी क़सम.

ग़ज़ले नम्बर. १८७

कल तु देखुं न संबुले बाग़को मैं, मुझे उस पेच अम्बुन्दू दोताकी क़सम;

(ચહેરા)
न निगाह करूं आरिज़े गुलकी तरफ़ मुझे उस रुखे मेहरो वफ़ाकी क़सम.

(ઘર)
चुनिंदे हैं चमनकी फ़िज़ामें सबा, वोः हज़ार तरह क़ा बनाई कुछ;

(ગલી)
मेरे दिलको न हो कली उसकी हवा, मुझे कूचए सनमके हवाकी क़सम.

(આંખ) (કાલા)
नहीं आया नज़रको वोः चश्मे सियह, वही लेगया दिलको जो मेरे निगाह;

(સંબુલ)
रही ज़ुल्फ़तो फ़िक्रकी नज़्ममें बगाह, मुझे उस ज़ुल्फ़े दराज़ीकी क़सम.

(નારંગી) (ફુલ) (બગાસ)
जहन उसका है कुछ गुलेनरगिसे समन, मेरे घरमें आजाय वोः गुलचमन;

खिले गुंचे जो दिलमें मेरा गुलकी तरह मैंन, मुझे उस गुलबदनने है कुजाडी (कुसम.)

तेरे ईश्क़ने दिलमें यः दरद दिया, तो कुछ उसे मज़ा मैंने ऐसा लि (था)

नाहक़ नाहक़ नाहक़ में रुवा, मैंने जाणा के अबतो दगाडी कुसम.

लगी मेंहदी जो हथोंमें उसके मियां, तो यो: खुरशीद कुछ ऐसी है

(લાલી) (અંકુર) (નાજુક દીસે;)

यो: शोख़ जो के सुब्हको होवे नया सो यो: आती है उसके हिना (की कुसम.)

मैंने देखा **नज़र** जो उसके तर्फ़ तो यो: शरमो हयासे होसरूप (करीने;)

लिया लिया निगाहोंसे ही दिल पड़ी है क्या में जो उसके हथोंकी (कुसम.)

ग़ज़ल नम्बर. १८९

दूरसे आयेथे साक़ी सुनके मयख़ानेको हम; (શરાબખાનું)

बस तरसते ही चले अफ़सोस पयमानेको हम. (પયાલું)

मै भी है मीना भी है, साग़िर भी है साक़ी नहीं; (શરાબ, શીશો, પયાલું, પાનાર)

दिलमें आता है लगा दें, आग मयख़ानेको हम.

क्युं नहीं लेता हमारी, तु ख़बर ऐ बे ख़बर;

क्या तेरे आशिक़ हुए थे दरदो ग़मख़ानेको हम.

हमको फंसना था क़फ़समें क्या, गिला सैयादसे; (શિકારી)

बस तरसते ही रहे हैं, आब और दानेको हम.

ताक़े अबरूमें सनमके क्या ख़ुदाई रह गई;

अबतो पूजेंगे उसी क़ाफ़िरके, बुतख़ानेको हम.

बाग़में लगता नहीं सेहरासे, घबराता है दिल. (જંગલ)

अब कहां ले जाके बैठें ऐसे दीवानेको हम.

ક્યા કુછ તક્સીર હમસે, તુ બતાદે અે મગરૂર;

તાકે શારી મરગ (મોત) સમઝેં, અેસે મરનેમે કો હમ·

ગઝલે હવસ· ૧૮૯

યહીં કે ફલીથી લેલીઅે પર દહુ નિશીં, નહીં આતી નજર અબ સે ખુદા

ગમૈં કે સસિવા મુઝે કુછ નહીં હૈ ગમ, ઉસી કુરબત મે ના હે અદાકી કુ (કી કુસમ·)

રૂપ પાયા હૈ લેલીને મજનૂં કા, ક હાક્યું હો ખુદા મેરે સરપે સિન (સમ·)

ન તો મૈંને કિમૂ સંગ આતની કી મુઝે મેરી હી શરમો હયા કી કુસમ (હી·)

મેરે ગિરયે સે જવેગા સબરો સુકૂં મેરે આંખોંસે ટપકે હૈ કે તરઅે (ખું·)

નહીં આતી હૈ કુમરી, તે દર બજૂ મુઝે લેલી કે જુલ્ફે દોતા કી કુસ (મ·)

શાને હિજરમે જરે કોઈ આપૂનજહા ઉસે દજે સે રંગ શાફ્ક કા ઉડા;

નહીં છિરમે મુબાલેગા અે કરાર મુઝ તેરે હી રંગે હિના કી કુસ (મ·)

તેરે કુરબત મે ગમ કો હૈ હાલજતર યહી કહિયો જે બના હો તેરા કિ (ઘર·)

તુઝે હાસિલે દમો જે નસીમે સફર મેરે હિજર કી શાખ કે ખુકી (કુસમ·)

કુલીકે ફલાથી કે સગ જલાસે જકહોના કાછે ઘરસે કિધર કો ગ (યા;)

કુલી કે ફલાથી નૂરી જલા દસજા, તુઝે લેલી કે જુલ્ફે દોતા કી

કુલ સાગિરે વસ્લ ન મૈંને પિયા, કલ્બ જમે જગર કોન મૈંને (સિયા;) (સમ·)

ગમોં રંને તખતકો જલાદ કિયા, મુઝે ઇશ્ક કે મેરો જફા કી કુસમ·

મેરા નિકલા હી જતા હૈ તનસે હી દમ, નહીં ચેન હૈ તેરે બગૈર સ (નમ·)

તુ તો ગૈરોસે જબર હમકે જહમ તુઝે દલાકુ તેરે ખુદા કી કુસમ·

તેરે રૂપે સજન નહીં દિનો, હમ કરે ક હમે તેરે હમસર કી કુસમ;

नाम नाम

जानी दिलपे हमी है ये है मै सनम मुझे गोरसो कुतुब अपनी

चहीडसम

नपाऊं हुयस कली दूर्लोंडी मूतने ठाकु डली जन जबेत;

जपनी जड सीदिल की गर्ध ऊन कुमु मुझे जान की जपन यदीडी सम

रहीईनून

गजलेसोहर २००

जालें क्धिरगर्धं योफ तरी, लोली लोलीयां;

दिल लेके जोसता है ने गज, तूं यह जो लियां

ઈશારા કામ

हर जात हलती है हर गडे, सुर्पन है रमठ;

हर जान है किनाया य हरहम हठालियां

फैरतने ऊस्से यस्म न जाह डेरने ही डेल;

जांपें लस्जारसीन, तरे मुंहपे जालियां

यंहाम गुलपे कोन डेजा, छेस मंत से याड;

બુરાઈ માથેથી લાગતી

लुं पुरी छओंड तनपे, यगडती है योलीयां

साडीपों होंयंके तुडर्मिन, छेस अजर जाहारमें;

ઓરડા

पडते नहीं तगरुग जरस्ती हैं गोलियां

ખરકારા

डिस्तरफ होंय आंखोंकी, डावरीसे दिलडा येन;

मिडगां न डर सकी, तो निगाह छिपोलियां

આગળી

डुया यहिये तुझे सरे, अंगुस्तपर हिना;

लस ने गुनहके मूनमें, याहीं डुबोलियां

ઘડી

लुं जसूर होगये हैं मुनुडे, जज मुलाने हिद;

શેહરનુનામ
ઉનસે ગરમ જલતે હૈં, કાબુલકી લોલિયાં·
સોદાકે દિલસે સાઇન, રેહતી થી જુલ્ફે યાર;
શાનેને ખીંચપડકે ગિરહ ઉસકી ખોલિયાં·

ગ઼ઝલે દરદ ૨૦૧

તુરેલા
મિઝ઼ગાંને તરહ યારકે, તારે જુરીદહ હૂં;
જે કુછકે હૂં સો હૂં ગ઼રઝ, આઇલ રસીદહ હૂં·
પોકારરોયાણો
જીયે હૈ દૂર આપકો, મેરે જુગારીસે;
પડેલો કદ જેંચાયલો
ઉફ઼તાદહ હૂં પસાયએ, કામત કશીદહ હૂં·
પરેશાન જમાનો
હરશામ મિસ્લે શામ હૂં મૈં, તીરહ રોઝ઼ગાર;
દામણ ફાડેલો
હર સુબ્હ મિસ્લે સુબ્હ, ગિરેબાં દરીદહ હૂં·
દોસ્તી
કરતી હૈ મુઝે ગુલ તો મેરે, સાથ ઇખ્તિલાત;
હવાનો ઝુંરાતો
પર આહ મૈં તો મૌજે, નસીમ વઝીદહ હૂં·
જેકરાતી પછે નીત
યે ચાહતી હૈ અબ તપિશ, દિલકે બાદ મરગ;
ખુણો કબર આરામપામો
કુન્જે મઝારમેં ભી, ન મૈં આરમીદહ હૂં·
કાબુ
એ દરદ જા ચુકા હૈ, મેરા કામ ઝ઼બ્તસે;
દલગીરી આંસુચપકેલા
મૈં ગ઼મઝ઼દાતો કતરએ, અશ્કે ચકીદહ હૂં·

ગ઼ઝલે નઝ઼ર ૨૦૨

જુદાઈ
તફરકા હોતા હૈ બેતાબી, સુજ અનદામ કહી;
મય કહીં શીશા કહીં સાકી, કહીં જામ કહીં·
દિલકી બેતાબી નહીં, ઠેહરને દેતી હૈ મુઝે;

દિન કહીં રાત કહીં, સુબ્હ કહીં શામ કહીં.

એક દિલ દીજીયે કિસ કિસકો, સભી માંગતે હૈં;

આશક ને પેહેરવાનો લેબાસ

જુબ્હ઼ ઔર જામા કહીં, મુઝે સિયહ઼ ફામ કહીં.

નામઃ અરનામા લિખૂં, યા મૈં ઝબાની કેહ દૂં;

નામુરાદ

ખ઼તકે પુરઝેપે લિખૂં, કાસિદે ના કામ કહીં;

દિલકી ઔર અબ કિફાયતને, સભીકી હૈ નઝર;

શુગલ કહીં ગુન્યા કહીં, મુઝુસે બદનામ કહીં.

ગ઼ઝલે આસફ઼ી ૨૦૩

તલવાર ... ઝાહેર

તેરી તેગ઼ ઝખ઼્મ, આલમ દેખતે હૈં;

પકડીબુડું

યહીં સરકો અપને, કલમ દેખતે હૈં.

એ ગ઼લબહ સનમ તુઝમેં, હમ દેખતે હૈં;

ખુદાકી ખુદાઇમેં, કમ દેખતે હૈં.

તુ ગ઼લદીસે આ, વરના મેરે મસીહા;

રસ્તો ... મોતનો

કોઇ દમમેં રાહે, અદમ દેખતે હૈં.

જો ચાહું લિખૂં મૈં, કુછ અહવાલ દિલકા;

કપાયલા

તો હાથોંકો અપને, કલમ દેખતે હૈં.

ગુઝરતે હૈં સો સો ખ઼યાલ, અપને દિલમેં;

કિસીકા ન ઝાહેર, કરમ દેખતે હૈં.

મિલે તુમકો મેરે, રકીબોંસે અકસર;

જુલમ

ક્યા હૈ કે સો સો, સિતમ દેખતે હૈં.

जोहोल मुहब्बतमे, दुश्मने तूने हमसे;
भला हमतो तेरी, कसम देखते हैं.
तु आये न आये, मियां हमतो ग़रीब;
तेरी राहतो सुबह, हम देखते हैं.
बुतोंकी गलीमें, शबो रोज़ आसफ़;
तमाशा खुदाईका, हम देखते हैं.

ग़ज़ले समझू. २०४

युं पोशीदा है, हिजाबमें रोशन;
माह है ज्यूं सहाबमें रोशन.
उसकी बीनीमें यं बुलाक़ नहीं;
शम्अ है माहताबमें रोशन.
अक्स मयमें है अजरस, चहरे ज्यार;
या चराग़ आफ़ताबमें रोशन.
उसके गोरे बदनमें लाल लिबास;
देखा आतश है आबमें रोशन.
साथि रहता है दुन्दुके पासे;
पंज शाखा लिफ़ाफ़में रोशन.
सोज़ दीलसे बरंगे शम्अ मेरा;
नाम है शीशा शराबमें रोशन.
युं जुदा रोओगे तो फिर समझू;

नं० ६

આંખોમેં હોવેંગે ખ્વાબમેં મેરીજાન.

ગઝલેતડી. ૨૦૫

હસરત ભરે ઇસ દિલકો, કહાં જાકે લગાયેં;
વો યાર અગર આયે તો, રોરોકે મનાયેં.
મિલના જો કિયા હમસે તો, ઉસ શૂખને મૌકૂફ;
ફિર જાનેસે ક્યા ફાયદા, લો હાથ ઉઠાયેં.
જુલમગાર
સચ હૈ કે બુતાં કાતિલ હૈં, પર નકશા નહીં કાર;
મનસૂર ઉન્હેં યે હૈ કે, જલતોંકો જલાયેં.
આખરમેં અગર યેહ્યાંસે, આંસૂ ગજે પૂંછે;
યહ દાગે જીગર સીનેકે, કિસ તરહ મિટાયેં.
જુદાઇ જાલિમ
સીનેમેં તડીકે તેરી, ફુરકતસે સિતમગર;
અબ આગ લગી હૈગી, યેતો ઉસકો બુઝાયેં.

ગઝલેશાહેઆલમ. ૨૦૬

આશક ન હૂં તેરે હુસ્નસે, ક્યા કામ કરૂં મેં;
ફરયાદ ગિરેબાં તુઝે, બદનામ કરૂં મેં.
હમ રખતાહૂં મેં તુઝસે, ગો અબકે તૂ મુઝે;
લાવે
પર દમ તો ક્યાહી તુઝે, અબ રામ કરૂં મેં.
હૈ દૌર જહાંમેં મુઝે અબ રાહત તુઝીસે.
કયું કુછ ગિલએ ગરદિશે, અય્યામ કરૂં મેં.
આયે જો તસવ્વુરમેં, મેરે મૈકદહ સાકી;

अरु हममें फ़ुर्सो होफ़ुमे, ऐन आराम करूं मैं.
हैरां हूं तेरे हिज्रमें, किस तरहसे प्यारे;
शब रोनको और सुब्हके, तर्ह शाम करूं मैं.
मुझको शेख़आलम किया, उसने रब्बने न क्युं कर;
अल्लाँहका शुक्रानसे, ऐन आराम करूं मैं.

ग़ज़ले हाफ़िज़ २०७

तड़ली है तेरी आंखोंकी, मैं यार चमनमें;
क्या चुपड़ी जड़ी नरगिसे, बीमार चमनमें.
हा लयगी जिग्र कूरम्ड़, बुलबुल बुलबुल;
तू अछ्या मत ज़ानते, गुलज़ार चमनमें.
जूआब ले जाती है, सबाओर तरफ़की,
शायदके वोह पोंहचा है, तरहदार चमनमें.
हम चहकीयोंका रहियो, अयाआन सलामत;
अब सैरसे मतलब है, न कुछ कार चमनमें.
ताकीद है दरबानोंको, यह बागमें आकर;
आजसे ये: हाफ़िज़, न आनगार चमनमें.

ग़ज़ले सोज़ २०८

रे क़दमें, नेस मगास हम, फ़िरदसमें पा बंद है;
चाहे गदूल ऐस सियह, क़ंहांमें यूं फ़ुरसंद है.
लिंबड़का जामिन मुदा, शनेह र डसा मुसाँह है;

તલબગાર·
सिरपर अपनी सूरतोंके, रोज़ क़ानतमंद हैं·
કબરસ્તાન
मक़बरोंमें देखते हैं अपनी, चश्म आंखोंसे रोज़;
ભાઈ· બાપ પૌતીકા
ये: बिरादर ये: पदर ये:, पेरा ये: फ़रज़ंद हैं·
બેસમજ બેપરવાઈ
तब भी नादां घेरसे, ठोकर मार कर, चलते हैं यार;
પલીતનૂર·
सुझता इतना नहीं, हम ख़ाकके पैवंद हैं·
जब तलक आंखें खुली हैं, दुःखपे दुःख देखेंगे यार;
બંધ·
मुंद गईं जब अंखडियां तब, **सोज़** सब आनंद हैं·

ग़ज़ल इमतररीह·२०९

લેનાર· કશુ·
ख़रीदारसे कुछ, नहीं बेचता हूं;
જિનસ જાહેર
मताए दिल अपना, अयां बेचता हूं·
ख़रीदार तुम हो तो, क्या चाहते हो;
मैं दिल बेचता हूं, मैं जां बेचता हूं·
નામ ઓરતનું· લેનાર· નામ નબીનું
ज़ुले आलमा हो गर, ख़रीदार यूसुफ़;
કાફલો
तो मैं सबका सब, कारवां बेचता हूं·
મારનાર·
कहा मुझसे क़ातिलने, सर बेचता है;
कहा मैंने हां, बेफ़ूरजां बेचता हूं·
अगर तू मेरे छंडने, को है कहता;
नहीं बेचता हूं तो, हां बेचता हूं·
बिका नामपर उसके, यहां मैं तो **उमतर**;
जब आगे रहा क्या, अयां बेचता हूं·

ग़ज़ले मोहकम २१०

हरके या दहर जो सनम, आप अदाज जाते हैं;
फ़लकपर जोरसे जफ़ासे, चल जाते हैं.
गरचे उफ़्ताद हैं के इस गरदिशे अफ़लाकसे;
इस सहारे तेरे आह, संभल जाते हैं.
पहलुअ गैरमें हम देखके तुमको प्यारे;
खातरी रश्कसे खुरी खाके, जल जाते हैं.
जानो सख़्ता सिरहो फ़ारीग़ फ़यासे आशकियां;
तेरी रफ़्तार कियामतसे, निकल जाते हैं.
यों तो सुनते नहीं अफ़्याल, दिल अपना मोहकम;
तालअ पर लेके हम अश्क, और गलगल जाते हैं.

ग़ज़ले नज़र २११

सदाफ़ उसकी झलकती है गोरे सीनेमें;
चमक कहां है यह अलमास, के नगीनेमें.
न मोती है न हुमारी, न गाम्ह निस्तर;
असक है दिलने अंग्या, नज़्त के मीनेमें.
जो पूछा मैंके कहांथी तो हंसके यु बोली;
मैं लग रहीथी इस अंग्या, मोतीके सीनेमें.
पडा जो हाथ मेरा सीनेपर, तो हाथ खटके;
पुकारी आग लगे आह इस करीनेमें.

जो वैसाही है तो जब रोज़, हम न आयेंगे;
उल्टे ले आये तो कहते में, या महीने में·
उल्टे मरके उल्टे बस बस, उल्टे प्यालह पर के;
हमारा करतीथी क्या क्या, शराब पीने में·
यही जो हाड के कोठे पे, वाह परी गेसू बार;
तो मैने जो किया फिरके, उधर के जून में·
वोः पेहना करतीथी जो गया, जो सुरख साफी की;
लिपटके तनसे थी, तर हो गई पसीने में·
गेः सुरख जो गया जो पानी है, फिरनपरी की नज़र;
मुझे तो आग लगी रक, जो तरही के सीने में·

गज़ल- २१२

दीवाना तेरा, आशिक़ ज़ार हूं मैं;
फिदा तुझपे मुद्दत से, ऐ यार हूं मैं·
फरेबांसे तेरे कब, आताहूं जालिम;
फरेबी जो तू है तो, ऐयार हूं मैं·
जरसे तूने मारा, सुना जो अजल वोह;
समझना नेरी जुस्तजू, मार हूं मैं·
अगरचे तु गुलके, पर यार वैसे नरगिस;
तेरे बागे ताजा, बीमार हूं मैं·

ग़ज़ले नज़र २१३

फूल नज़र आया चमनमें, ऐक अजब रंगके चमन;

गुल रुखो गुलरुं कबाओ, गुल छो नारो गुलबदन·

मेहर तलअत गुलपैकर, मुश्तरी रु मह जबीन;

सीमबर सीमाब लबो, सीम साकी सीमतन·

नाज़नीं नाज़ आफ़रीं, नाज़ुक बदन नाज़ुक कमर;

ग़ुंचः लब रंगीं अदा शक्करदहन, शीरीं सुख़न·

बुल्बुले कुदुस जालोमअबूदके हैं चहकारों गुलाम;

मुश्के तिब्बत मुश्के चीं, मुश्के ख़ता मुश्के खुतन·

मुब्तला जैसोंके जो होते हैं, पैहे ये नज़र;

ज़ईफ़ारां दिलफ़िगारों, ख़स्तह जानां बेवतन·

ग़ज़ले हुसैन २१४

मैं इश्क़ नहः से हयःओ, बाज़ार खड़ा हूं;

लालाकी तरह दागसा, गुलज़ार खड़ा हूं·

क़ातिल तु मेरे क़त्लका, अंदेशा न कर आह;

हर क़त्ल मुझे जबतामें, तैयार खड़ा हूं·

अफ़सोस तेरे वस्लकी, शब मुझको वां कब हो;

मैं मुन्तज़र इस रातका, दिलदार खड़ा हूं·

मज्लिसमें तेरे ख़ाली किये, शीशे हैं मस्तां;

मैं पीतो तेरे चश्मोंका, ख़ुमार खड़ा हूं·

मिलनेका हुस्ने न उसके, न पैग़ाम तुझे है;
अर्फ़हेके लिये बरसरे इक़रार खडा हूं.

ग़ज़ले अबदुल्लतीफ़ः २१५

नामे उसे दिलबरका हम, सुमरन बनाया चाहते हैं;
और अग़्यारोंसे उसके मन, छिपाया चाहते हैं.
इश्क़में दिलबरके हमने, दिल बनाया दाग़ दाग़;
तफ़्ते अलालालाका हम, गुलशन बनाया चाहते हैं.
माइपा उसको उठाकर लाये, गरचाहे सबा;
सूरमेसे कोहतूर सा मकान, बनाया चाहते हैं.
ग़ालिबी हमारा कुमें परह न था, हर गिज़ लतीफ़;
अब सितमगर अब हमसे, यिलयन लगाया चाहते हैं.
फ़ासिला कह मस सनम का, आइपर मत धर कदम;
तंग कहमोंके तले दामन, बिछाया चाहते हैं.

ग़ज़ले आरिफ़ः २१६

दानों रुख़्सार माह पारे हैं;
अबरू और ख़ाल, चांद तारे हैं.
हमने दो जान देके हारे हैं;
तुम हमारे हो, हम तुम्हारे हैं.
नहीं छूटें अरक़ की, चेहरे पर;
चांदके मुंहपे यह सतारे हैं.

એકબારી તો બઝમેં આગએ;
હુજરસે મુશ્તાક હમ તુમ્હારે હૈં.
ઐન મજલિસમેં આજ મારો હો;
સચ બતાઓ યહ ક્યા, છેરાર હૈં.
રાતેં કાટી હૈં, તારે ગિન ગિન કર;
તિનકે ચુન ચુનકે, દિન ગુજારે હૈં.
જિનકો કહતે હૈં, ગાને ઝેહરાબે;
વો ભરી આહકે શરાર હૈં.
પેચમેં ફિરકો આઓગે સાહબ;
બાલ ફિરકે લિયે સંવારે હૈં.
દિલ બતાબકો ઘાનીમ કિયા;
તેર અબરૂ નહીં યે આર હૈં.
આશિક હોનેસે ઉસ પરી રૂકે;
હા ગએ અબ અદૂ તુમ્હારે હૈં.

ગઝલ નં. ૨૧૭

આહ નજદીક રંગ આક, રંગો દૂર હમેં
દેખના એક નજર તુમકો હૈ, મંજૂર હમેં.
ઝૂરતે હકતો હર, આંધનેમેં હૈ બલાય: જુમા;
દિલ ચુરાનેસે અપને, નહીં મકદૂર હમેં.
ફિરકા દિલ હૈકે કર, સૈર ગુલાં ગુલશનકી;

ઈસ લહેલિકૂસે યારો, શેઓ મા-નૂર હમેં·
હિજરકી રાત તો, રજતીજાં નહીં હે, યારબ;
ક્યા દિખાયેગી અજલ, આખિર શોમે હૈ નૂર હમેં·
અબ તડફનેકીભી તાકત, ન રહી હમકો રજા;
ઈસ કદર આહ કિયા ઈશ્કને રંજૂર હમેં·

ગઝલે રૌનક ૨૧૮

તાજકી ગજતે હુમાં, આહ મુઝે તાજ નહીં;
નાસેહા સજરકી પલાહ, મુઝે તાબ નહીં·
દિલકે યહાં ટુકડે ન હોવેં કલીમાનંદ કતાં;
બસ તેરી દીદકી એ માહ, મુઝે તાબ નહીં·
સઈહ એ દિલને પિયારે પેરે તિમસાલે બુતાં;
બુત પરસ્તીકી અબ અલૉહ મુઝે તાબ નહીં·
હોસેલા તંગ હૈ યહાં બેહૂદા ગોઈતા પદ;
બસ ગજાંકી તિયેકી તાહ મુઝે તાબ નહીં·
હમ તિરીં યાહમેં યૂસુફને કૈસા હાથે ગજબ;
ઉડે દુન્યાસે કહીં યાહ મુઝે તાબ નહીં·
ઊહી ખોયા ગમે પરવાનેમેં રોતે રોતે;
આહ એ શમ્એ સહરગાહ મુઝે તાબ નહીં·
ગમે હિજરાંસે કહે રૌનકે બે દિલકો નજાત;
આગે ગમ ખારીકી યા શાહ મુઝે તાબ નહીં·

ग़ज़ले सोज़ २१९

मेरे दिलमें है आफ़री यारसे, मुलाक़ात नसीब किसीको हुवा ही नहीं;
कहूं किसेमें हाले दिल अपना अयां मेरे दरदकी कोइ तो दवा ही नहीं.

विचारकरो
मेरे दिलकी तपीशको तो गौर करो मेरे यारसे फ़िकर न और करो;

तकसीर (कसूर)
कोइ यारसे मिलनका तोर करो के दयारसे नाकाम तो कोइ ही नहीं.

कहूं मैं दर्द गुलसे यह दिल जिगर जिलाता है, रोता यामर कुमे दीदह सद;
कहूं रेह के अदबमें बागमें क्या, मुके गश्त यह काकी हवा ही नहीं.

गली
तेरे कूचेसे कम नहीं बागमें जले दाग़ सनमने लेलामील था;

खुशाल छेलनार
कहूं दामनसे मुते होशियार, किसी गुलका हवासल नहीं.

ऐसी जोरतो कोइ ताहब ग़ज़ल ऐसे जहरका कहे यारसोज़ अदल;

बुज़ारी
गयें फिर दरदेंकर मुजे अपना फिर लालजार यरलका हालन कहीं नहीं.

ग़ज़ल गुलामे अहमद २२०

खुशबो, हवा, बहार
मेरे सबाला नकहते जुल्फ़ बालाये नाज़नीन;

कस्तूरी आपनार हरण
जिसकी खुशबो कोन पोंहचे नाफ़े आहू ए चीन.

जुल्फ़ है या दाम है या मारे मुश्की पेचदार;
जिसके बलखानेसे मेरे दिलको चैन तस्की नहीं.

क्या अजब अबरू यां हैं हसीं है जिसके कुश्तां नाज़नीं;

कपाळ ओनाउपर
दाग आये है जबींपर रश्केसे माहे जबीन.

खुणी माशूकी बाग
हुस्ने खुबाकी हकीकत क्या है जिसके रूबरू;

खुबसुरत
दिल रूबाओंमें नहीं देखा कोइ ऐसा हसीन.

શુક્ર સિલોંહ ક્યું ન હો, તાલે બલંદ નફ્સ હૈ ઉસ;
હાથ ઉસકે આ ગયા હૈ જોકે અલઅબ મહજબીન.

ગઝલે ખલીક. ૨૨૧

ગુલરૂઓંમેં વફાકા પાસ નહીં;
બૂ ગુલે કાગઝમેં બાસ નહીં.
દીજિયે નકદે દિલ ભી અપના નિસાર;
હાથ તો ભી ઉનકે સિપાસ નહીં.
મુંહ દિખાયા હૈ મુફસ્સા મુસવ્વર;
બે વફાઈકા કુછ કિયાસ નહીં.
રહ ગયા અબ જાનકે કમરકા હૈ ખબર,
પેચ અંગુશ્ત અકે યાસ નહીં.
સૂરતે બરક ઠીરહ હોં ખલીક.
ક્યું તુ મુઝતર હૈ, ઓર હવાસ નહીં.

ગઝલે સોઝ. ૨૨૨

ઉસ સનમ કી દોસ્તીમેં કુછ સમર નહીં;
નફ્સે મહબત આહમેરા બારવર નહીં.
ઉસ સંગ દિલકો હાલેપે આયા ન મેરે રહમ;
એ આહો નાલા હૈફ કે તુમમેં અસર નહીં.
યાકૂત લાલે યારસે બેહતર નહીં વલે;
પર બેહરીકો ઉસકી પરખપર નઝર નહીં.

ક્યું મુઝસે બેગુનાહકો નાહક કરે હે કતલ;
ઐ શોખ તેરે દિલમેં ખુદાકા ભી ડર નહીં·

કાસિદકી ક્યા મજાલ જો કૂચેમે જા સકે;
લઈજનાર·
જુઝ મુર્ગે નામહ કોઈ પેગામબર નહીં·

સંદેસો·
મેરી તરફસે દીજે સબા ગુલકો યેહ પયામ;
પાંજરૂં
આઉં કફસકો તોડકે પર બાલો પર નહીં·

નરગીસફુલજેવાં· નરગીસફુલ·
હરગિઝ જમાન સોબ તુ ચશ્મેબકી ગુફતગુ;
જરફ ભી ઉસકો અસલે સુખનોંસે ખબર નહીં·

ગઝલે સૌદા· ૨૨૩

ટુકડો·
લખ્તે જિગર આંખોંસે હરમાન નિકલતે હૈં;
યેઃ દિલગે મહબ્બતકે અરમાન નિકલતે હૈં·

મરેલા· દફનથવાનીજગા·
તુઝ તેગ નિગાહકા હે, કુશ્તોંકા જહાં મદફન;
કરેયાળી· તીર
સબજકી જગહ વહાંસે પૈકાન નિકલતે હૈં·

ગળેલું
સર ખાકોં ગિરેબાં ચાક આગિરીલા જફૂન દામન;
ક્યા ઘરસે તેરે આશિક બા શાન નિકલતે હૈં·

પેટ ખાતા
યેઃ ખૂબ હૈ યારો ક્યા જલસે ચાદરકે;
લે કતલકા આશિકકે ફરમાન નિકલતે હૈં·

સૌદાકે દિલસે ઉકદહ મુશ્કિલ સહીસે જાયેગી;
ચશ્મોંસે મિયાંજ કુછ અરમાન નિકલતે હૈં·

गज़ले शूरीदा. २२४

बातोंकी गरमियोंसे जलते दिलो जिगर हैं;
हैं ज़िन्दगीसे अपने बेज़ार इस क़दर हैं.
तेगे निगाह किसकी देखी है हमने यारब;
હોઠ. સુકા.
लब खुश्क हो रहे हैं डोरे नज़रोंपर हैं.
ગએલા.
यारान गुज़श्तगांका मत पूछ मुझसे क़िस्सा;
શોધ કરનારીયો.
ये हमनशीं मैं जिनकी हैरां हूं वे किधर हैं.
खुरशीदे माहरूमें किरनें ही देखता हूं;
દરવાજે દરવાજે.
ये किसकी आरजूमें आवारा दरबदर हैं.
બાળતા રૂ.
सीनेपे दागे सोज़ां आंखोंमें अश्क जारी;
ખબૂરી. ફૂલ.
इस नक्शे आशिक़ीके यों गुल हैं ये समर हैं.
किस शोखसादारूके ग़ममें रोया है इस क़दर तू;
ચિણગી.
जो गरम अश्क तेरे शूरीदा ज्यूं शरर हैं.

गज़ले मजनून. २२५

बुतां जबके जुल्फें शाना बांधते हैं;
ગિરફતાર.
गिरहमें दिलें मुब्तला बांधते हैं.
नहीं हंसते बुलबुलसे अपने चमनमें;
માળા.
हम अब आशियाना जुदा बांधते हैं.
मैं यहां खूं रोता हूं आंखोंसे अपने;
वो पांवोंपे उनके हिना बांधते हैं.

કહાં બૈઠેંગે પર ન હારેંગે જાકે ;
યે: હમ તુમસે શર્તે પક્કા બાંધતે હૈં.
ગિરહ દેકે સરપર જો બાલોંકા જૂડા ;
યે: તાલુક બદન ખુશ અદા બાંધતે હૈં.
હર એક તારમેં ઉસકે દિલહાયે આશીક ;
બહમ બસ્ત: કરકર બલા બાંધતે હૈં.
મિયાં હાલ મજનૂંકા દેખા નહીં ક્યા:
કમર આપ કસકર ત્વસાં બાંધતે હૈં.

ગઝલે નાસિખ ૨૨૬

દિલમેં પોશીદા તપે ઈશ્કે બુતાં રખતે હૈં ;
આગ હમ સંગકે માનિંદ નહાં રખતે હૈં.
મિસ્લે પરવાના નહીં કુછ ઝરો માલ અપને પાસ ;
હમ ફકત તુમપે ફિદા કરનેકો જાં રખતે હૈં.
મહફિલે યારમેં કુછ બાત ન નિકલી મુંહસે ;
કહનેકો શમ્અકે માનિંદ ઝબાં રખતે હૈં.
હોગયા ઝર્દ પડી જિસકી હસીનોંપે નઝર ;
યે: ગઝબ ગુલ હૈં કે તાસીરે ખિઝાં રખતે હૈં.
ઢૂંઢને મુલ્કે કહાં મુલ્કે સુખન હૈ નાસિખ ;
ગો નહીં કુઝમે રવાં તબ્એ રવાં રખતે હૈં.

ग़ज़ले मोहब्बत. २२७

हो तुर्श रो तुमने दी क्या कड़वी कड़वी गालियां;
हमने नू रोज़े शकर किस किस मज़ेसे खालियां.
रखते हैं पानो मिसीका शौक़ सब छल्लियां चले;
वोः कहां दिलचस्प सुर्ख़ी वोः लबोंकी लालियां.
साफ़ खुलजाती है उसदम उनलबोंकी कैफ़ियत;
जब नज़र आजाते हैं वोः मंजड़ियां मतवालियां.
येः नहीं रोमसा कमर उसपे तेरे करते निसार;
आसमां लाया है भरकर सीमो ज़रकी थालियां.
कुछ दिखाई यां इसः मुजको के मूं मारे सियाह;
जिन तेरी ज़ुल्फ़ोंके येः डसती हैं रातें कालियां.
किसतरह हमपर न खुलजाये हवेशारी लसा;
हैं तेरे ग़मकी मोहब्बतमें कुफ़्लकी तालियां.

ग़ज़ले ओबारी. २२८

बागबां नाज़ले मोहब्बतमें समर है के नहीं;
कोई इस बाग़में उल्फ़तका शजर है के नहीं.
मूसे बारीक बताते हैं कमर उस गुलकी;
नहीं मालूम के उस गुलकी कमर है के नहीं.
बैठे कूचेमें मुझे देखातो कुछ कर बोले;
यहांसे उठ जाये अब आपका घर है के नहीं.

ફિક્રકી રાજ ન કટી બુરગઈ સબ ઉમ્રમેરી·
યા ઈલાહી શબે ફિરાકી સહર હૈ કે નહીં·
સચ બતા મુઝકો સનમ તુઝકો ખુદાકી સોગંદ·
વો: તેરી મેહરકી અગલીસી નજર હૈ કે નહીં·
બાલોપર તોડકે સૈયાદ લગા યૂં કેહને;
કહો બતલાઓ તો ઉસ મુર્ગકે પર હૈ કે નહીં·
થા: એ ઉસ તરહસે ગુજરે તો લગે યું કેહને
મિયાં ઓલાદાકા ઉસ રહમેં ગુજર હૈ કે નહીં·

ગજલે સોદા· ૨૨૯

ગૈરકે પાસ યે: અપનાહી ગુમાં હૈ કે નહીં;
જલવ: ગર યાર મેરા પર ન: કહાં હૈ કે નહીં;
મેહર હર જરમેં મુઝકોહી નજર આતા હૈ;
તુમ ભી ટુક દેખો તો સાહેબ નજરાં હૈ કે નહીં·
પાસે નામુસ મુઝે ઈશ્કકા હૈ એ બુલહુસ;
વરન યહાં કૌનસા અન્દાજે ફુગાં હૈ કે નહીં·
દિલકે ટુકડોંકો બગલબીચ લિએ ફિરતા હૂં;
કુછ ઈલાજ ઈસકા ભી એ શીશગરાં હૈ કે નહીં·
આગે શમશીર તુમ્હારી કે ભલા યે: ગરદન;
મુઝસે બારીક તર એ ખુરી કમરાં હૈ કે નહીં·
જુર્મ હૈ ઉસકી જફાકા કે વફાકી તકસીર;

કોઈ તો બોલો મિયાં મુંહમેં જબાં હે કે નહીં·
પૂછા એક રાત મેં સોદાસે કે એ આવારા·
તેરે રેહને કા મોઅય્યન ભી મકાં હે કે નહીં·
યેક બયક હોકે ફિર આશુફ્તા લગાયે કેહને;
કુછ તુઝે અકલસે બેહરા ભી મિયાં હે કે નહીં·
દિબ્બા મેં ઉસરે ફરીદૂનકે દરપર એક રાત;
હલ્કહ જન હોકે પુકારા કોઈ યહાં હે કે નહીં·

ગઝલે ખુસરો· ૨૩૦

જ હાલે મિસ્કીં મકુન તગાફુલ દુરાયે નેના બનાયે બત્યાં
કે તાબે હિજરાં નદારમ એ જાં ન લેહો કાહે લગાયે છત્યાં·
ચો શમ્અ સોજાં ચો જર્રહ હૈરાં હમેશા ગિરયાં બઈશ્કે આં મહ;
ન નીંદ નેનાં ન અંગ ચેના ન આપ આયે ન ભેજે પત્યાં·
શબાને હિજરાં દરાજ ચું જુલ્ફ વ રોજે વસ્લત ચો ઉમ્ર કોતાહ;
સખી પિયા કો જો મેં ન દેખૂં તો કૈસી કાટૂં અંધેરી રત્યાં·
યેકાયેક અઝ દિલ દો ચશ્મ જાદુ બસદ ફરેબમ બબુર્દ યેરામી કરારા તસ્કીં;
કિસે પડી હે જો જા સુનાવે પિયારે પ્યુકો હમારી બત્યાં·
બહક્કે રોજે વિસાલે મહરૂ કે દાદ મારા ગરીબ ખુસરો;
દાબ રાખૂં હુસુન એસા જતન કે ઉસને પાઉં દો બોલ બત્યાં·

ગઝલે મુઝતર· ૨૩૧

ફીકી ઉસ જબસે હુઈ લાલે બદખ્શાનકી રંગત;

रश्कसे फूले कगार आ गई, भरलनकी ल्मन·
शाखे गुल रक्समें है चमनमें आती है नसीम;
कुमरियां नग़मेमें सुन बुलबुले बुस्तानकी तान·
गुलके फूलनेसे कहकहा न बर आये तेरा;
गोरके लोके किसी मरहे मुसलमानकी आन
ज़ुल्फ़ने अलम लगा दिया उस छैलेने आलन;
फ़ाशी उस आंखने फिरे साक़ीमे फिरकानके झील
फ़ारिसने फ़क़रसे मैं याग न होना मुश्किल,
तेरा फिरमें नजर क्या लिखिये शैतानकी शान·

ग़ज़ल बज़्न दुसांक़ २३२.

शाम [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] मे,
[illegible] दिया [illegible] दिलको याद की [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] की यारीमें
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] की;
[illegible] दिया [illegible] दिया [illegible] दिया [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] तुझको मिला;
हाथ क्या आया तेरे ऐसी सितमगारीमें
कैसा इनकारसे लाखों है यहां [illegible];
आख़िर शाम रही गयके [illegible] मारीमें·

ग़ज़ले गोया. २३३

शबे विसालमें क्या यारसे होश्यार हूं मैं;
रहा फ़िराक़में जलता तो शरम सार हूं मैं.
भला नज़र मुझे शबनमसे क्यों गुले खूबी;
चमन है क्या तेरा जल्वे नौ बहार हूं मैं
तुझे ख़याल जो नित सैद अफ़्गनी का है;
लगा दे तीर मुझे मुफ़्तका शिकार हूं मैं.
जो होती है तेरे कानोंकी बालीकी मछली;
मिसाल माहीके जल जाऊं, बेक़रार हूं मैं.
जो तेरी तेग़ो अफ़ाक़ न मुझसे मुंह मोड़;
तो पहलू पारमें दरयाए ग़मके पार हूं मैं.

ग़ज़ले जुरअत. २३४

हुस्नके नाज़से जलते हैं प जल सकते नहीं;
गो उठाते हैं क़दम पर दिल उठा सकते नहीं.
मेरे नालोंकी जिसने सुनी सदा यहांतक के जरस;
पास मुझको जिसके हम साये बिठा सकते नहीं.
दश्तमें हो जये महब्बतका तो उसके पीछे हाल;
दिलकी जो बेसबरीसे पर हम आह भा सकते नहीं
मरके इस यारे ज़िक्र करते हैं मुरग़ाने चमन;
पर हम पर नालोंहीमें कुछ उड़ा सकते नहीं.

કોઈ ઉસકી ઔર હમારી દેખ્યો સોહબત ન રહા;
મિલ રહે હૈં દિલ પલે નઝરેં મિલા સકતે નહીં.
હમ અસીરોંકો મિલા હૈ તંગ યહાં એસા કફસ;
નીચે આકાશ નરા તડફડવું
ઝેરે ગરદૂં હુક ઝમીંપર તલમલા સકતે નહીં.
બગલ દિલગીર
અપને પેહલૂમેં દિલે બેતાબ હૈ વોઃ ગમઝદહ;
જિસકે હાથોંસે કહીં આરામ પા સકતે નહીં.
ક્યા હુએ વોઃ દિન કે યેઃ પૈગામ આતે હી નહીં.
અબ તો દરદે હિજરકી આફત ઉઠા સકતે નહીં.
સૂરત અપની તુમ કિસી સૂરત દિખા જાઓ હમેં;
હૈં પરાએ બસમેં હમ લાચાર આ સકતે નહીં.
એક નઈ અંદાઝકી પઢ યે મિયાં **ઝુરઅત** ગઝલ;
ઈસસે બેહતર અબ કોઈ મઝમૂન લા સકતે નહીં.

ગઝલે સિરાજ. ૨૩૫

ઈદે વસ્લે સરવ કદસે હૈ મેરે ઘર શાદિયાં;
આલમે બાલાસે આતી હૈં, મુબારકબાદિયાં.
નરાકુળવું
ક્યા તબસ્સુમ ક્યા અદા ક્યા નાઝ ક્યા અંદાઝસે.
નરક
યાદ હૈ ઉસ શૂખ કો કુછ તરઝકી ઉસ્તાદિયાં.
ઝીપી
સાફ ગાલોંસે નિગાહોંકે મુઝે કરતા હૈ કતલ;
ખુનકરનાર. ભુલભુલામણીયાં
ઝુલ્મ હૈ ઉસ ઝાલિમે, ખુંરેઝપર જલ્લાદિયાં;
મહોબ્બત
પાંઉમેં ઝંજીરે ઉલ્ફત ઔર ગલેમેં તોકે ગમ.

कि दिले वहशीको मेरे क्युं के हो आज़ादियां·
क्या चले दामे निगाह मेहरबानीसे मेरे;
सैद होजाये यहां सैयादकी सैयादियां·
गरचे लैली अपनी शोख़ीसे नहीं आती के पास;
छोडता नहीं अब तलक मजनू भी अपनी वादियां
ताकपरसे दिलके जलता है आईना सिराज;
याद आती है जब मुझे उनकी तरह शादियां·

ग़ज़ले नज़र· २३६

कहता है जब मेरी तो मैं सरबरस्त हूं;
मैं यार मैं तो कुश्तये रोज़े अलस्त हूं·
मोड दमकी ज़िंदगीके लिये मत उठा मुझे;
मैं बेख़बर मैं न करो नमीका निशस्त हूं
तु मस्त कर शराबसे अे गुलबदन मुझे;
मैं आप अपने शीशाये दिलका शिकस्त हूं·
कुछ तरीक मुझको समझयो न ज़ाहिदा;
गर तू ख़ुदा परस्त है मैं बुत परस्त हूं·
ईन संग दिल बुतोंका गिला क्या करूं नज़र;
ज़ालिम मैं तेरी चश्मे गुलाबीसे मस्त हूं·

ग़ज़ले ईमान· २३७

गर न अरकी हो तेरी ज़ुल्फ़की ज़ंजीरमें जान;

आह अलीरह अंदे नालअ शबगीरमें असर·
आजे है यांसे जुआके मगर फिरका पैगाम;
ताब पडती है तेरे तीरसे नखचीरमें असर·
यो: अ गुस्ताख है क्या आल हु उनकी प्यारे;
यहां तो असती है निकल अके ही तकसीरमें असर·
इस तरह भी तो किसी रोज दमा आजदु पल;
न रहे सैदे हरमकी कहीं तुम तीरमे असर·
आये निरदमके तूने अगर मसीहा ईपर;
आल कहते ही पडे कालिब तसवीरमें असर·
शेफ्र होता है कब **इमान** किसीके दिल पस्थर;
अब तलक मानिये शीरीं नहीं तकरीरमें असर·

गजलगिरियान· २३८

क्या तूने यारसा कइल अके यासमन नहीं;
नसरीन नहीं गुलाब नहीं नसतरन नहीं·
खुरशीद हुस्ने शौकसे है हो रहा निसार;
रोपीसे गिर्दयारके हरगिज कदन नहीं·
लाले लबे निगारसा ईदाने यारसा;
दुरें अदन नहीं है अकीके यमन नहीं·
मकतूल हो अ तेग निगह कातो फिरउसे;
यारो कुछ अहुतेयार व गुरबा कहन नहीं·

परवाना कौनसा है के जो घेरके में लेरे ;
सोजे जरंगे शम्अ बहर अनजुमन नहीं.
शबको इंगां तो सुब्ह अलम शाम दरदोगम;
कमहो दिराके यारमें, क्याक्या मेहन नहीं.
गिरयांसे क्यूं न अबर न फिरांये वोः पुरगुरूर;
जेड चेहन पर येह गरदिशे चरखे कोहन नहीं.

गज़ले मीर- २३९

दिन नहीं रात नहीं सुब्ह नहीं शाम नहीं;
वक्त मिलनेका मगर दाखिले अैयाम नहीं.
मिस्ले अनका मुझे तुम दूरसे सुनलो यरनह;
नंगे हस्ती है मेरी नजरे बजुज नाम नहीं.
जानेरे राह हलके जलके बोहोत दूर लिया;
उम्र गुजरी के न कुम नामओ पैगाम नहीं.
रात पोशीदा महब्बतके लउ चाहिये गाफ्ल;
सालतो बेकरारीये दिल बिन मुझे आराम नहीं.
जो कुयारी जो कोठ देने है, सो कहता है;
कुछ तो है मीर के बेकदम तुझे आराम नहीं.

गज़ले मरहूम- २४०

मैं मुन्तजरे जलवये दिलदार खडा हूं;
मूसाकी तरह तालिबे दीदार खडा हूं.

एक दिन मेरे बालीनपे न आया तू [illegible];
परवाना सिफ़त जलनेको मैं तैयार खडा हूं.
गर तेग़ लगाना है तो लगा जल्द ऐ क़ातिल;
मैं येक मुहब्बतका गिरफ़्तार खडा हूं.
बेन फिरे रहां दर दरसे बाहर खडा हूं;
मैं नालका खूबोंके ख़रीदार खडा हूं.
महफ़िलमें तेरी कोई नहीं मुझको रसाई;
हैरत ज़दह लेकिन, पसेदीवार खडा हूं.
गर मिलना है तो मिलले मेरे जबसे बनी है;
चलाहूं के इस जीनेसे बेज़ार खडा हूं.
न दैरसे मतलब न ग़रज़ का. बेसे मनसूर;
मैं बस निशाखे इश्क़में सरशार खडा हूं.

ग़ज़ल बेनासिफ़. २७१

सब हमारे लिये ज़ंजर लिये फिरते हैं;
हमसरे ज़ुल्फ़े गिरहगीर लिये फिरते हैं.
कौनथा सैद वफ़ादार के जब तक सैयाद;
बालोंपर उसके तेरे तीर लिये फिरते हैं.
तेरी तस्वीरसे मिलती नहीं किसकी सूरत;
हम जहांमें तेरी तस्वीर लिये फिरते हैं.
[illegible] दीवाने जहां मिलते ही [illegible];

પાણી
આપ નમૂદ આંખોમેં, છેકુસીર લિયે ફિરતે હૈં.
જોહી મરતા હૈ તલા, કિસ્કો અદાવત હોગી
આપ ક્યું હાથમેં, શમશીર લિયે, ફિરતે હૈં.
હુકમનમાનવો ચોરાગ
સરકશી શમ્અકી લગતી, હમેં ગર આંખોંમેં;
મજલિસ
લોગ ક્યા અનમમેં, ગુલગીર લિયે ફિરતે હૈં.

ગઝલે નાસિખ. ૨૪૨

જુદાઈ
હમ ઝબાને શમ્અસે, સુનતે હૈં હિજ્રે યારમેં;
ચાહિયે ઘુલઘુલકે મરના છેદ્કે આઝારમેં.
નીલ માશૂક
મેરે દિલમેં હૈ ગમે ખાલો ખતે ખૂબાંસે દાગ.
મુશ્કલી થોડા છડ્કદો, મર હમે ઝંગારમેં
આંસુ જોનેનનહી
દૂર ગર આંખેં હોએં, રોના હો કમ મુમકિન નહીં;
ઘણુ કરીને વાદળ દરિયારનેદેલું પાણીપરસાવે નીર
હોતી હૈ અક્સર સુફેદી અબ્રે, દરયાબારમેં
માશૂક ટાંકસી પાપ
ચિશ્ત શાના છેદ્કે ગેસૂમેં, હુવા હૂં ચાક ચાક;
વાળ બાંધેમા
તારે ગેસૂસે લગી રાકે, દિલે અફગારમેં.
જુદાઈપડવાનોરસ્તો
હૈ અસર ફિરકી નિગાહ, તફરકા, અંદાઝ ઠાં;
આસમેં ફુલ
જુલ જુલે હૈ દામમેં, ઓર આહ ગુલ બાઝારમેં
ચોપ નબીનુંનામ
ગરમિયે બાઝારે યૂસુફ, આગે છેસ યૂસુફકે ઉપર;
મુંહ દિખાતે હી લગાવે આગ હૈ બાઝારમેં.
જુનેકરનાર મેહેનત
લેકે હૈં ખૂંખાર ઉનકો, રંજ દુન્યાપેં નહીં;
કાણું હોઠ મારીપકવ્યાકુવા
છેદ હૈ મૌજૂદ નબ દેખો લબે સૂફારમેં.

રસ્તો· મુનકરઆસા બારબાર·

राहे मुरेकमें चोह डालिल, बेरब्बाहे ईहम;
चलते चलते पड गये, छाले तेरी तलवारमें·
आईलाजे हस्ती मुझको, बयाकर आयगण;
લીલ·
सोनेवाला हूं किसीके, सायये दीवारमें·
जिस्तरे गुलहो मुबारक, यारको आये बहार;
हूब चलकर लोटये, अब वाहिये पुर खारमें·
કૌસરનતનાપાનાર· એકગઝલનુનામ·
साक़िये कौसर पिलाता है मजे ख़ुमे ग़दीर;
નબીસાહેબનુનામ·
मस्त हूं बालिबमे, घेरके अहमदे मुख्तारमें·

ग़ज़ले रहमत· २८३

वस्लकी उमीदमें, हमने यहां आहियां ;
हिज तेरी चाल हम, दिलमिने पचताहियां·
કલુ· કસવું કહ્યું· ગુસ્સો·
गाह तबस्सुम कुं गाह ग़ज़बकी निगाह;
किस्ने सिखाई तुझे ऐसी है चतराईयां·
वस्लकी उमीद है, अुम्मनहीं है रवा;
સાહેલિયો
अरूब मेरी है यही, सुनलो मेरे साहियां·
हाय न समझे हमे प्यू, हुजे ऐसे कठन·
बजके लगाई लगन उसकी, सब पाईयां·
हिज्रमें रहमत तेरे, रोतेही रोते सनम·
નજીક
पड़त है ज़न करीब, बन निकल आईयां·

ગ઼ઝલે શાદાન ૨૪૪

ગર સૈરે ચમનમેં, હમેં બુલવાઓ તો આવેં;
સબ મિલ્તેં ઔર ચૈનસે બિઠલાઓ તો આવેં.
આનેકો તો કેહતે હો, મગર એક તરફસે ;
ફરશો ફર એક અન્વાઅકી, મંગવાઓ તો આવેં.
ચબ તરફ લગા હોવે, અઈફરી મુકલ્લલ ;
ફરસૂ શમ્અ કાફૂરીકી જલવાઓ તો આવેં.
ગર બઝ્મ ભી, ઘૂતરોંસે જો હોત હોવે મોઅત્તર
ઔર કિશ્તીયાં પોશાકકી ચુન્વાઓ તો આવેં.
સુથરાસા પલંગ હોવે સબે નહરપર આરા ;
ઔર સેજભી ફૂલોંકી જો, બિછવાઓ તો આવેં.
શીશે પે હો શીશે, વ ગુલાબીપે ગુલાબી ;
વહાં ગરમિયે સોહબતસે, ન ઘબરાઓ તો આ
સબ હોવે મોહય્યા, વહાં હે ઐશકા સામાન ;
શાદાં મઝે મૌજૂદ હો જો બુલ્વાઓ તો આવેં.

ગ઼ઝલે ન઼ઝર ૨૪૫

ક્યું ન હો બામપે, વો જલવઃ નુમા તીસરે દિન ;
માહભી છિપકે નિકલતા હૈ, દિલા તીસરે દિન.
હાથસે જબ તો કલમ, રશ્કે મસીહા રખદે ;
ઝુલ્ફે બદલે હૈં નજારે, ઝકીમા તીસરે દિન.

ગ઼રકે હૈ દરયામેં મહમીલકી નહીં મિલતી સારી ;
ઘર ન દૂજા કુવા નિકલે હૈ, જુના તિસરે દિન.
દિલે બીમાર રહે ઈશ્કમેં, ક્યુંકર સર સબ્જ (ખુશાલ) ;
જડસે દાનેકો હૈ, નશ્વ નુમા (ઉગવું (ઊગવું)) તિસરે દિન.
છોડ મત જુલ્ફકે મારેકો, તૂ દરયામેં હનોજ (હજી) ;
સાંપકે કાટેકો દેતે હૈં, જહર તિસરે દિન.
તીન દિન ચશ્મકે, બીમારકા કર અપને ખેયાલ
હોતી માલૂમ હૈ તાસીરે દવા તિસરે દિન.
લોગ કહતે હૈં, કે હૈં ફૂલ તેરે કુશ્તેકે ;
મેંહદી હાથોંકો તુ કાતિલ ન લગા તિસરે દિન.
ઉમ્ર યેક હફ્તા (અઠવાડિયું) નહીં બાગમેં હૈ ગુલ મત ફૂલ.
રંગ બદલે હૈ, જમાનેકી હવા તિસરે દિન.
યાર કરકે ઉસ જૂતે, પુર ફૂંકે ઊપરસે ન નજ઼ર ;
આપસે આપ જે હો જતે જુદા તિસરે દિન.

ગ઼ઝલે સૌદા. ૨૪૬

ન ગુંચે ગુલકે ખિલ્તે હૈં, ન નરગીસકી ખિલી કલિયાં;
ચમનમેં લેકે જમાલ (આબરૂ) કિસીને અંખડિયાં મલિયાં.
કહીં મહતાબને દેખા હૈ, ઉસ ખુરશીદ તાબાંકો (ચમકનાર) ;
ફિરે હૈ ઢૂંઢતા હર શબ, વહાં આબાદકી ગલિયાં.
લબસુંમ યૂં નુમાયાં (દેખાય છે) હૈ મિસ્સી આલૂદ (મિસી ભરેલા) હોઠોંસે;

નહો અબ્રે સિયહમેં, ઇસ્તરહ બિજલીકી ચમક પૈદા
લબે ગુંચા તેરા ખોહે, કિસી ખૂબાંને આલમમેં;
ગ઼લત હે યે ઝબાનોંપર, કે સબ મિસ્રીકી હે ડલિયાં.
દિવાના હોગયા સૌદા, તુ આખિર રેખ઼તાપરઠપર
ન મેં કેહતાથા, એ ઝાલિમ કે, યે: બાતેં નહીં અલિયાં·

ગ઼ઝલે છનરશા· ૨૪૭

રૂખે બ઼નહ ઉઠ ઇબ્ને નિગાહ, સનમ ઘન ઝમાનો તો રોઝી ઇરામ આઠોં;
નહો યે ઉસ બુતકે ગ઼મ બિચારે તો, કયું હો મેલે કા નામ આઠોં·
બ઼ કુલ નન્હાં લબો દહાનો, રૂખો ઝબીનો નમક મુસકોંહ;
સિખાતે હેં ઉસ પરીકો, કાફ઼િર યે: મિલ્કે સબ કતલે આમ આઠોં·
અદાઓં નાઝો હિજ્બો ગ઼મઝ઼, કરિશ્મા ખૂબી હયા તગાફુલ;
તુમ્હારે ચિતવનકે આગે આગે યે: ફિરતે હેં, બેહત પામ આઠોં·
ઝપક લગા પર ચમક, ગુમુકઝ઼ મલાલ ગુસ્સો કરમ ફ઼ુકાપર;
કિસીકે પાંઉપે ગિરતે હેં, યહાં કિસીકા ઇક છેમ હી મામ આઠોં·
શિકુ બો સબરો કરારો, તાકત નિશાં આરામો ઐશો રાહત;
તુમ્હારી ઉલ્ફ઼તમેં બોહી, બેઠા હૂં મેં તો યે: લાક સામ આઠોં·
સરીરો ચતરો અઝ઼ઈસરો મુલ્કો, સિકો હો તાજે, કમાલો નાફ઼ત
મેરે મુલેમાં કોદે મુછાયા યે: ઝ઼બ્બા જેહત શામ આઠો·
ન પૂછ મુઝસે તૂ છનરશા ઝબાંહ કે નામ આરીક કપાહે
ઝ઼ીલો રુસ્વાફરાબો ઇસ્તાગ઼રીબ જંદ ગ઼ુલામ આઠોં·

ગ઼ઝલે નાસિખ઼ ૨૪૮

ઝોરહૈ ગરમિયે બાઝ઼ાર તેરે કૂચેમેં;
જમ્અ હૈં તેરે, ખ઼રીદાર તેરે કૂચેમેં.
દેખકર તુઝકો કદમ, ઉઠ નહીં સકતા અપના;
બન ગયે સૂરતે, દીવાર તેરે કૂચેમેં.
(વખતમાં)
દેર વેરાં હૈ તેરે અહદમેં હૈ, કાબા ખ઼રાબ;
જમ્અ હૈં કાફ઼િરો, દીદાર તેરે કૂચેમેં.
ઔર યહાં સૈકડોં બેહોશ પડે રહતે હૈં;
હૈ મગર જાનસે ખ઼ુમ્માર તેરે કૂચેમેં.
(ચોકીદારો)
પાસબાનોંકી તરફ઼ રાતોંકો, બેતાબીસે;
નાલા હમ કરતે હૈં અય્યાર તેરે કૂચેમેં.
ઝ઼ેર હૈ ઇશ્કને યેઃ તફ઼રકા, પરદાઝકી.
હમ હૈં ગ઼ુરબામેં, દિલે ઝ઼ાર તેરે કૂચેમેં.
(દફન થવાની જગ્યા)
આરઝૂ હૈ કે જો મરૂં તો, યહાં મદફ઼ન હો મેરા;
હૈ જગહ થોડીસી દરકાર તેરે કૂચેમેં.
(કરવાર)
હાલે દિલ કહકે નેક **નાસિખ઼** નહીં પાતા ક઼રાર;
ઇક બલા હૈ વોઃ અશરાર તેરે કૂચેમેં.
ગર યહી હૈ તેરે, અબરૂકી ઇશારત કાતિલ;
આન કુસ ચલતી હૈ તલવાર, તેરે કૂચેમેં.

ग़ज़ले सुलतान. २४९

गुंचे खिलतरथे, नेश्तर, तुज बिन;
ऐक आहतथी, रातभर तुज बिन.
मेरे हकमें तो मोत: ही, दोज़ख हय.
સ્વરગ
जाऊं मैं ख़ुल्दमें, अगर तुज बिन.
कुफ्र किसका है, और क्या, इस्लाम.
आप अपनी नहीं ख़बर, तुज बिन.
ઝાડ ફુલ લાવનાર
हो दरख़्ते उमीदबार आवर.
ફળ
फिरका कुछ नहीं, समर तुज बिन.
દિલગીર
आ रही है लबोंपे, जाने हज़ीन;
दमका दममें नहीं, असर तुज बिन.
સાથી
तू है और आह ऐक हमदम है;
कौन लेजाये वहां, ख़बर तुज बिन.
સાત મુલક
गर मै सुलताने हफ़्ते किश्वर हूं;
પણ ગરીબ મારફુક
लेक मुफ़लिस हूं सीमज़र तुज बिन.

ग़ज़ले ग़ालिब. २५०

જેની બરાબરી બીજો કોઈ ન હોય
हैगा जो नामे खुदा उस बुते लासानीमें;
નામ કેનઆણનારે પાસી
ऐक भी बात नथी, यूसुफे कनआनीमें.
इश्कमें देताहूं, उस लैलीकू ऊपरी नं को.
હાથથી હોયચો નામ જંગલની રેહનાર
दस्त रस है ये: कहां कैसे, बयाबानीमें.

आकाशे. पुमडुं
चरखने पुंबासे महताबको दामनमें दिया;
पोकार. आंशु.
शोरिशे यहां तक है, मेरे अश्ककी तुग्यानीमें.
गाळो.
अब मुरव्वतकी फिरे, लबसे जो निकले दुश्नाम;
क्या मसीहाई है, उस लबसे, जरफ़शानीमें.
काम. तलवार.
कार शमशीरका करता है, ख़यालेअबरू;
हमेशा
दाग़ उसका है अबदसे, मेरी पेशानीमें
पेहनकर होवेगा खुशहाल, दुशाला कोई;
नागापणुं
हमभी हैं शाद अय ग़ालिब, ऐसी उरियानीमें

ग़ज़ले मुसहफ़ी. २५१

जबके सरोदे खूबांमें, गोमिरंगियां शांकी जबके;
साथ फ़क़ीरकी ढोलकके जब रमझमियां रंगीं अबकी.
मजलिस खुशालनी
लाला कशीशे रात जो, गुलशनरस्के बज़्मे ईश्रत–
चोंचो. वाग्युं थयुं
भिनकारें मुरग़ाने चमनकी, सुब्ह तलक जूंबीन जबकी.
शमअ रफ़ीके बज़्म जलतीथी नित आहे मुझको;
पतंगीयो.
आंखें परवानोंके परोंकी बजके सरे बालीन अबकी.
अबके मिलने ना भुक तेरा निन्द उचट गई उसशबकी;
बालियां जो पत्तोंसे छिलकर रात सरे बाली अबकी.
मैं न तुझे कहताथा, जाहिद मैखानेकी राह न चल;
आख़िर तुझपर रस्वाईमें, तालियां जो बजीन अबकी.
वगाडनार.
आजे जनतरी होके मलायेक, मरगया जो आरिफ़ तेरा

मौजतें क्या क्या शहीदी, मरकदपे खेलजडीनजर.
शब आखिर होनेका धडका, मुस्कुरी तुझसे क्यामेकहूं;
जन निकलगये तनसे, जजके तीनपहर परतीनजर.

गज़ले अहसन. २५२

मुझसे शाम तलक ताज सहर रोते हैं;
अरक आंखोंके हमारे येह गोहर होते हैं.
जद करता है रकीब हमपे तो क्या होता है;
નામ. જદૂ.
सामेरीके कहीं मूसापे सेहर होते हैं.
जे पडा छेका जुतोंके जकुरे है शकया;
પગારકુળનાઝાડ.
कुया जहांमे नहीं बेसमरा, शजर होते हैं.
છુપવાનીજગ્યા.
छिसकदर रोते हैं शब हम कमींमे जकर;
नालासे गिरया, व गिरयासे असर होते हैं.
દુશ્મન.
अदू जलते हैं तेरे शेअर को, सुनकर अहसन;
दोस्त कहते हैं कहीं ऐसे शेअर होते हैं.

गज़ले वली. २५३

મુરાદમાથુકી.
खुशी कहा दिलको, अंद करते हैं;
नाम अपना बलंद करते हैं.
अपने शीरीं सुखनको देके रियाज;
सारा आलम, कंद करते हैं.
जिसको बेताब, देखते हैं उसे;

અપને ઊપર પસંદ કરતે હૈં.

બંદ કરનેકો, આશિકોંકે સદા ;
હંમેશાં

ખુદ્ અપની કૈદ કરતે હૈં.

ઊંચા
એ ચલી એકે હૈં, બલંદ ખ્યાલ;

શેફર તેરા, પસંદ કરતે હૈં.

ગ઼ઝલે સોદા ૨૫૭

ક્યું ન તરકીને દિલ મૈં, યાર કહું યા ન કહું;
પાછળ ભીંત
નાલા બકર પસે, દીવાર કહું યા ન કહું.
સાસ બરા
સુનલે એક બાત મેરી, તુઝે રમક બાકી હૈ;
ફિર સખુન તુઝસે, સિતમગાર, કહું યા ન કહું.
નસીહત કરનાર સારાનું
નાસેહા ઉઠ મેરે, બાલીંસે, કે દમ, રુકતા હૈ;
નાલા દિલ ખોલકે, દોચાર કહું, યા ન કહું.
મા
બાજે શીરીમેં યોહ જોર, દિલ હમેશા ઘેલેસીક;
જગાડું
ન ધડકતા હૈ કે, બેદાર કહું, યા ન કહું.
સખ્ત મુશ્કેલ હૈ, મૈં સૈયાદસે બકર યારો.
ન કહે મુરગાને, ગિરફ્તાર કહું યા ન કહું.
અંદરનો બહાર પક્ષી
હાલ બાતિનકા, નુમાયાં હૈ, મેરે તાયેરસે;
મૈં ન બાં અપનેસે, ઈઝહાર કહું યા ન કહું.
મૌસીમે ગુલફીમેં, સૈયાદસે બકર યારો;
હૈ ન બાં મેરી ભી, ગુફ્તાર કહું યા ન કહું.

मक़्दूर था तुझसे तो, भर उम्र वफ़ा करनेका ;
इन सुलूकोंपे, इक़रार करूं, या न करूं.
कूचए यारको मैं रश्के चमन मैं सौदा ;
लेके जा दीदये ख़ूंबार करूं, या न करूं.

ग़ज़ले सिराज २५५

अयानकी तुमने भूल गये, मेहरबानियां ;
लाने लगे हो रोज़की, तग़ाफ़ुलकी बानियां.
क्या होयगा सुनोगे, अगर कान धरके तुम.
जुदाई
गुज़री हिज्रकी रात, जो मुझपर कहानियां.
दामन तलक भी हाथ, ज़रा दस्त रस नहीं;
क्या ख़ाकमें मिले है, मेरी जांफ़िशानियां.
दाग़े फ़िराक़े लालरुख़ो, बाग़े ख़याल है;
रेह गईं मेरे जिगरमें, तुम्हारी निशानियां;
मुझ दिलके ढोके, तूरका सुरमा किये हो तुम;
कदापण तुं मने भेशे नहीं
आती हैं अबतलक भी वही, लन तरानियां.
तलवार
शायद किसीके क़त्लकी, होती है मस्लेहत.
इशारो
रम्ज़ इन तेरी निगाहकी, सब हमने जानियां.
कबलग रवा रखोगे, तग़ाफ़ुल सिराजपर ;
अब इस क़दर भी ख़ूब नहीं, सरगिरानियां.

રદીફેવાવ.

ગ઼ઝલેયકુ. ૨૫૬

અપના દીદાર, વોહ દિખલાએ તો, ક્યા અછા હો;
દિલે બીમાર શિફા પાએ તો, ક્યા અછા હો.
એ સબા તુ વો: ગુલે બાગે, નુબૂવતકો સલામ;
મેરી જાનિબસે જો પોંહચાએ તો ક્યા અછા હો.
(મુરાદ. નબીસાહેબ.)
ખ઼ાકે પાયે શેહ લૌલાક, અજ઼બ હૈ ઈકસીર;
કીમિયા યેહ મેરે હાથ આએ તો ક્યા અછા હો.
(સ્પર્શગ્યા)
રશ્કે ગુલઝારે જિનાં રોઝએ, શાહદી હૈં;
હ઼ઝ઼રતઆલાપહાં પોંહચાએ તો, ક્યા અછા હો.
સર મેરા ઈશ્કમેં, ઉસનૂરે ખુદાકે હમદમ;
સૂરતે શમ્અ જો કટ જાએ તો, ક્યા અછા હો.
જિસ્કા સાયા નહી યારો વોહ, હુમાએ દીકા;
સાયા સરપર મેરે હો જાય તો, ક્યા અછા હો.
જિસ્કે મિલનેસે ખુદાયંદ, જહાં મિલતા હૈ;
મૈં યહ઼ા વોહ તુઝે મિલજાએ તો, ક્યા અછા હો.

ગ઼ઝલ. ૨૫૭

(ઠશ્વુણાસ.)
[illegible]જડર ઉસ્કે રૂએ જેબાકો;
[illegible]જલને પુરને કિયા ગિરેબાંકો.
[illegible]સ્કે હોટોંકે આગે, કંદર નહીં.

લાલ ફિર જાએ, ગર બહારીયાંકો.
(શિકાર મારનાર) આંખ તેરી શિકાર, અફગન હૈ;
ક્યું ન લાગે ફિરન, (જંગલ) બિયાબાંકો.
ગરમ હોકર ન સોએ, યારકે સાથ.
આગ લગજાએ ઉસ, (શંકી) બિસ્તાંકો.
યાદ આતી હૈ સૂરતે, યૂસુફ;
ખોલકર દેખતે હૈં, કુરઆંકો.

ગઝલ. ૨૫૮

જો સૂંઘે ઉસ ગુલકો, આકે પૈરહનકી બૂ;
ખુશ આવે કબ ઉસે, (ફુલ) નસ્રીનો (ફુલ) નસ્તરનકી બૂ.
દમાગ ક્યું ન (ખુશબોદાર) મોઅત્તર, હો બુલબુલે (આશક) શૈદા;
હર એક ગુલસે જો, આતી હૈ, પંજતનકી બૂ.
ખત આ ગયા તેરે ચેહરેપે, જો ગુલે ખંદાં.
ગઈ મિલનસે, અબતક ન, (બચપણ) બાલેપનકી બૂ.
જો બેઠા આનકે, મહફિલમેં વોહ, પેરામનજૂં;
કિધે વોહ મસ્ત ઉસી, વકત (મજલીસ) અંજુમનકી બૂ.
નિશાની જબ તેરે બુઝોંકી, લે ગઈ હૈ સબા;
(શેહેર) ખતાસે જાતી રહી, નાફેસે (શેહેર) ખુતનકી બૂ.

ગઝલે નિયાઝ. ૨૫૯

ઇશ્કમેં તેરે કોહ, ગમ સરપે લિયા જો હોસો હો;

ऐशो निशातो जिंदगी, छोड दिया ले होसो हो·
अड़लके मदरसेसे, हो रिंदके मैकदेमें आ;
लमे ड़ना य ले फुदी अजतो, पिया ले होसो हो·
लागकी आग लग, गई पुंआ तरह सा लग्या;
સામૂન·
रख्ते युज्रू दे अलो, तन कुछ न बया, ले होसो हो·
फिकरकी सब मुसीबतें आरज़ कीं उस्के हुजूर;
नाले अदासे मुस्कुरा, कहने लगा ले होसो हो·
दुन्याके नेकोबदसे काम, हमको नियाज़ कुछ नहीं
आपसे ले गुजर गया फिर उसे, क्या ले होसो हो·

गज़ले सोज़· २५०

तारे रूजे सनम या तो, मुझे पोंहचा दो;
या अली दिलको, मेरे पाससे, उस्के ला दो·
ररूमो आहि असीरीके मुझे याद नहीं;
પાલજેરાસાથરહેનાર
जो गिरफ्तार हूं, ये हम कफसी सिख्ला दो·
सांस लेने दो छुरी लिये, शिताबी क्या है;
जब्ह तो करते हो दुक, सब्र करो बतलादो·
આલશીપરસ્ત· ઉમોદ
मुग़ जया ऑन, तयकी तो नहीं तुमसे आज;
आतरी थिसकतो दामनसे लला लडका दो·
दरद सोज़ है दुन्यामें गरीबोंकी मिसाल;
शायरी तुमको, मुबारक रहे, मैं उस्ला दो·

ગઝલેસોઝ:૨૬૧

મેરી જાન જાતીહે, યારો સંભાલો;
કલેજેમેં કાંટા ચુભા હે નિકાલો·
ન લાઓ મુઝે ઝિંદગાની, ન લાઓ;
મુઝે માર ડાલો, મુઝે માર ડાલો·
શોબતીયો·
ખુદાકે લિયે, એ મેરે હમ નિશીનો;
યેઃ બાંકા જો જાતાહે, ઉસકો બુલાલો·
અગર વોહ ન આવે, તુમ્હારે કહેસે;
તો મિન્નત કરો, ઘેરઘેર બુલાલો·
અગરયે બડા હોકે, વોહ ગાલિયાં દે;
તો દમબાર હો, કુછ ન બોલો ન ચાલો·
કહો એક બંદહ, તુમ્હારા મરેહે;
ઉસે અં કલીસે તો, જડર બચાલો·
જલોંકી બુરી આહ હોતી, હે પ્યારે;
તુમ ઈસ સોઝ કી અપને હકમેં દોઆ લો·

ગઝલેનઝર:૨૬૨

દોસ્ત
જુદા કિસીસે કિસીકા, ગરઝ હબીબ નહો;
યેઃ દાગ વોહ હેકે, દુશ્મનકો ભીનસીબ નહો·
જુદાજો હમકો કરે ઉસ સનમકે કુચેસે;
ઈલાહી રાહમેં એસા કોઈ, રકીબ નહો·

छेला न क्या करें, हकमा तपे, नुदाछेडो;
सिवाओ वस्ल के उस्का, कोई तमीज न हो.
नज़र अपना तो मानि‌ए, खूब सूरत है;
जो हुस्न उस्में है, ऐसा कोई भी अन्जन न हो.

ग़ज़ल नेरीशाहं २५३

सुने तुम्हारी जो ऐसी बातें, कहां है ऐसा दमाग़ हम को;
समझ की बातों में कुंसर है, नहीं है अजतो दिमाग़ हम को.
चमक रहे हैं सतारे राजकी, जगजन्तरह की बहार देखो.
प्यारा आया है घर हमारे, तु लरदे साकी अयाग हम को.
अगर ये गोहर सासामने था, मगर ये वो हम को नज़र—
अंधेरी रातों में ढूंढते थे, नताकियां है चराग़ हम को.
तुम्हारी खातिर हमारे प्यारे, गरह तो देखो किया है क्या कु
लरकते फिरते थे रात औ दिन मिला है, अजतो सुराग़ हम को.
उसी की दौलत से अब है, घर घर कहां है ऐसा जलाद शादां;
शाह सिंह सवार हों के तो क्युं न बाग़ हो बाग़ हम को.

ग़ज़ल न्हूरशाह २५४

बनाया आप हमने बन्द, कर कर, आहे सो अंकों.
निगार को सीने को पे हल को, दिल को बस्म को अंकों.
हमेशा कु ने तनहाई में हम पुनिस समझते हैं
अलमको पास को हसरत को, नेता जीको फिरमां को.

તેરે અંઘમોં ડુંઘો ડુંઘે ગુજ્હો, રંજસે હૈ મિલ્લત;
ચમનકો મરગયાકો, સરવકો સુમ્બુલકો રેહાંકો.
લગાહ દિન દિનકો, તૂ દિલમેં તેરે હાથોંસે મૈં કાતિલ;
કટારીકો છુરીકો ખાંડેકો, ખંજરકો પૈકાંકો.
તેરે દાંતોં લબને કર દિયા, બેકદર આલમમેં;
ગોહરકો લાલકો યાકૂતકો, હીરેકો મરજાંકો.
લડાકર આંખ ઉનસે, હમને દુશ્મન કરલિયા અપના
નિગાહકો નાજ઼કો, અંદાજ઼કો, અબરૂકો મિજ઼ગાંકો.
નહીં કુછ ભૂલ દોખા દેતા હૈ, રહીશા હમ જો હમ સાકી;
સબૂકો ખુમકો મૈકો, મૈકદેકો, મૈપરસ્તાંકો.
ન હો બજ તૂહી એ સાકી, તલા ફિર કયા કરે કોઈ;
હવાકો અબ્રકો ગુલકો, ચમનકો સહ્ને બુસ્તાંકો.
બનાયા એ ઝફર, ખાલિક઼ને કબ, ઈન્સાનસે બેહતર;
મલકકો, દેવકો, જિનકો, પરીકો, હૂરો ગિલ્માંકો.

ગ઼ઝલે દિસાના ૨૬૫

એ દિલ સદા ઉસ શમ્અપર, પરવાના હો પરવાના હો;
બેદાનો બહારે હુસ્નકા દીવાના હો, દીવાના હો.
એ દિલ અગર મંજૂર હૈ, યહાં આશ્નાઈ ગૈરકી;
હર આશ્નાસે ગૈરકે, બેગાના હો બેગાના હો.
એસી તરહ સાકી બજાઈ આતા હૈ યોં: મસ્તે તરબ;

बेहदनुं· बेकरार·
अय दिल तडपुंई यार तरई, मस्ताना हो मस्ताना हो.
मेरे सुखनको मेहरसे, सुनता है वोह रंगीं अदा;
गुजरेली· कहानी·
ए सर गुज़श्ते ओ दिल, अफ़साना हो अफ़साना हो.

ग़ज़ले नूरशाह. २६६

बापरे·
कहूं क्या रंग उस गुलका, अहाहाहा, ऊहूहूहू;
क्या रंगे चमन सारा, अहाहाहा, ऊहूहूहू.
नमक छडके है, वोह जिस जिस मज़ेसे दिलके ज़ख्मोंपर;
मज़े लेता हूं मैं क्या क्या, अहाहाहा, ऊहूहूहू.
चगारियो पिसेवो·
शरारो अरक़में क्या, फ़रक़ समझूं मैं के दोनोंमें;
है एक शोला ललूकासा, अहाहाहा, ऊहूहूहू.
अदा गरदान हो, साक़ीके जामे ईश्क़से मुजको;
दिया घूंट उसने एक ऐसा, अहाहाहा, ऊहूहूहू.
मेरी सूरत परस्ती, हक़ परस्तीकी, कहूं क्या मैं
के इस सूरतमें क्या देखा, अहाहाहा ऊहूहूहू.
मिठास·
जुदा ओने हलावत क्या है, आबे तेगे क़ातिलमें;
बोलनारे·
लबे हर ज़ख्म है, गोया, अहाहाहा, ऊहूहूहू.
बहूर आलम कहूं मैं क्या, तबीअतकी रवानीका;
है एक उमडा हुवा, दरिया, अहाहाहा, ऊहूहूहू.

ग़ज़ले मुरसल. २६७

फिरता हूं तुज बग़ैर, मैं होके दिवाना हू बहू;

नभ

ज़ूर ब ज़ोहूर है कू ब कू, जाना ब जाना हू ब हू.

मेरे चोक फ़िरदौस रूसे, दिल आह कुया हो, ओ असीर;

जुल्फ़ ब जुल्फ़ ख़म ब ख़म, पेच ब पेच मू ब मू.

याने नसीम अेक शब उसें, कुऐन जा अद-दौ;

दस्त ब दस्त लब ब लब, सीना ब सीना रू ब रू.

ये अेसे हैं हम ने नौहागर, पौं हुये हैं, अश्के चश्म तर;

દરિયો. દરિયો. નદી.

बहर ब बहर यम ब यम, नाला ब नाला जू ब जू.

સણાબેઠરાર.

उसकी तलाशमें सदा, फिरते हैं हम, पुर इन्तिज़ार;

ખાળ (ખેડો) દરવાજે. ગલી. તરફ.

बाम ब बाम दर ब दर, कूचा ब कूचा सू ब सू.

देखा चमनमें बुलबुल, अब क्या कहूं कि था कहां;

ડાળી.

शाख़ ब शाख़ गुल ब गुल, गुंचा ब गुंचा बू ब बू.

ग़ज़ले दुयम. २६८

हमपे डरे है नित सितम, ताज़ ब ताज़ नौ ब नौ;

मुझपे नहीं है वोह करम ताज़, ब ताज़ नौ ब नौ.

उसकी जुदाई है जिगर दिलपे, हमारे रो न रोज़;

करते नहीं है दरो ग़म, ताज़ ब ताज़ नौ ब नौ.

बैसनम तुपुर कहां, मुझसे न हो, तुपर बे यदी;

तुझको चुपकी है क़सम, ताज़ ब ताज़ नौ ब नौ.

मुझपे मेरा तुल असे है, वो तो निपट है बेदली;

दिलमें बसा है ग़म, अलम, ताज़ ब ताज़, नौ ब नौ.

પહોંચ.
જીસ્કે કુંવર કે ગમ ખાયા, ઉસ્કો કરે તૂ પુરશાદ;
પઢકે ગ઼ઝલ તુમ જ઼રમ, લાજ઼મ ન લાઝ઼ નૌ જનો.

ગ઼ઝલે નૂરશાહ.૨૬૯

ખાધી.
હાલે કુ઼રકત ક્યા લિખૂં, તુમ આપ આકર દેખલો;
પર નહીં મુઝકો મેરે પ્યારે, બુલાકર દેખલો.
બેક઼રારી દિલકી મેરી દેખની મંજ઼ૂર હૈ;
પારો.
તો મિયાં સીમાબ, થોડાસા મંગાકર દેખલો.
આપકી ખુલ જાયેગી મેરી, ઘેન્લે ઝરી આપ પર;
હાથમેં અપને ગુલે નરગિસ, ઉઠાકર દેખલો.
વરસાદ.
ચશ્મે તરકો આપ જો, કમ જાનતે હૈં અબ્રસે;
સામે.
તો મુકાબિલ અબ્રકે, મુઝકો રૂલાકર દેખલો.
વગર.
આપ બિન સો જાનો, ગિરયાં ઝિસ્તર કે ઉડતી હૈ પતંગ;
શમ્અ મોમી બઝમમેં, અપને જલાકર દેખલો.
મૂ બમૂ હાલે પરેશાં, તુમ અગર દેખો મેરા;
આઇના શાનેમેં અપની, ઝુલ્ફ઼ આકર દેખલો.
આપકે બિન નૂરકી હૈ શકલ, બસ મૈં ક્યા કહૂં;
કૈસકી તસ્વીરકા, નકશા ખિંચાકર દેખલો.

ગ઼ઝલ. ૨૭૦

શાહેદ. મદે ઘર શોદા પે શોદા.
ઝુલ્ફકે તેરે હૈ ગમ્યા, કફ઼ ખાના, અફ્સાના ફ઼ુઆ હું;
દેવાલાગી.
અસ્કે ઝિકરહું હર પાઠ, ખાના ખમ્ખાના ફ઼ુઆ હું.

तुझको फ़ुज़ूल अयागे होस ढूंढे नहीं है घर ब घर;
फिरती है आरे जुस्तजू, गाह ख़ाना ब ख़ाना हू ब हू.
दिलसे उठाके दस्ते सब्र, मुझसे मलूंगा, उसका मैं;
पूछूंगा अपना जुर्म, गुनाह ख़ाना ब ख़ाना हू ब हू.
देखी है ऐसी ज़िन्दगी, तुझसे मेरी मोजा मेलत;
मांगे है ऐश्क़से पनाह ख़ाना, ब ख़ाना, हू ब हू.
सोंपूंकु जिसको मुन्सफ़ी, कुसूर जब है मेरे सर;
तंग हुए हय तुझको, राह ख़ाना ब ख़ाना हू ब हू.

ग़ज़लेयक़ीन. २७१

गिरह खोलो न ज़ुल्फ़ें, यारके शानेको मत छेड़ो;
जुनूंके फ़िज़्के ज़ंजीरोंसे, दीवानेको मत छेड़ो.
उठे तरके अदब करता है, माजूद होंकी ख़िदमतमें;
मुसलमानो ख़ुदासे डरके, बुतख़ानेको मत छेड़ो.
जली जलता है जल येक हम, तो अपने हो बिचारेको;
कुछ अेक सैरीलकरो, मतशम्अ परवानेको मत छेड़ो.
येह मेहराबे नमाज़े जो ख़ुदा है, ख़ुदा हो समझो;
ख़ुदाके वास्ते मस्तोंके, मैख़ानेको मत छेड़ो.
सताओ मत, यक़ीं डालिके, ये: ख़ूनोंका मैं सुनके;
ख़ुदाक़ाने के क्या होवे, उसपरी ख़ानेको मत छेड़ो.

ग़ज़ल २७२

मयपरस्ताक़ी हैं सब अेकन, अहाहाहा हू हु हू;
ज़मन आलम है मस्तीका, अहाहाहा हू हु हू.
अहु [illegible] ढी लडानेपर, लगे नज़र दीवाने.
हुआ थोरे अजूं असरपा, अहाहाहा हू हु हू.
न देखा जन आंखोंने, कली अेक अश्कका कतरा;
रवां है उसै आज दरया, अहाहाहा हू हु हू.
मेरे घर उस नकांमें, साक़ियो मुतरिब अगर होते;
तो कैसी मैं कशी करता, अहाहाहा हू हु हू.
किया जे दानसे आशिक़ को, तूने कत्ल मै ज़ालिम.
कोई करता है काम औसा, अहाहाहा हू हु हू.

ग़ज़ले सोरठ. २७३

बुलबुलां सब रोते, आजे बाग़बां रोती लियो;
आंसुये शबनम सिती होवे, नकुरलर दीलियो.
ये: पसीयत करके, बुलबुल बाग़बांसे, मरगई;
कहगई मुझको गुसल तफ़्ले, चमनपर दीजियो.
आफ़ मेरे दफ़नके, तू कफ़नपे का या है अगर;
जो दडर हर बीजे, काहको साक़ू मिट्टी दीजियो.
फिर कहम चालीस दरजेर, आके तुरबतपर मेरी;
डाले हाही अचोपर, ताज़ीई गुलकी कीजियो.

અહવાલ
आमुहतोंने सौ रहे लेकिन येह मानरा;
आनकयुं अहर नही, कुछ तेह उस्कासी नथी.

ग़ज़ले गुलामे अहमद. २७४

ऐ दिलबर अजब तू भी है माहरू;
न है तेरे मानिन्द कोई, खूबरू.
વાતચીત
तकल्लुम करे क्या कोई तेरे साथ;
ચપલ — વાતચીત
तेरी तो फ़सीह है, सली गुफ़्तगू.
न मुश्के खुतनकी है, जू ग़िस्तरह;
જેના જેવી ખુશબોહદાર
न है तेरे ज़ुल्फ़े, मोअम्बर की बू.
બીજો
न सानी है तेरे, जहांमे कोई;
तेरा ये रोहे, ने क्यां जुस्तजू.
પલ — માશૂક
जुदा अेक लम्हा, न कर अे सनम्;
हमेशा येह अहमद की, है आरजू.

रदीफ़ हा

ग़ज़ले साहेब. २७५

गर तुझे क़त्ल है मंज़ूर, चला बिस्मिल्लाह;
તલવાર — તૈયાર
तेग़ मौजूद है हाज़र है, गला बिस्मिल्लाह.
हम तो हाज़र है, न डरते हैं, तेरा हुक्म क़बूल;
तूने दिल खूं पिलाता है, पिला बिस्मिल्लाह.
... मुलाक़ात, मुझे उम्मीद नसीब.

जुदाई
हिज्रमें तेरे मेरा दिलतो जला बिस्मिलाँह.
उस्ताद है खूब नहीं, अनका देना बिस्मिल;
तडपने तडे तो मेरा पडा तू, जला बिस्मिलाँह.
ક્યા — माशूक
गर तडफुं है तुझे हालपे साहेबके सजन;
नफ्स दिलका तु जब उरके, सिला बिस्मिलाँह.

ग़ज़ले मुश्ताक़ २७६

બગલમાં — બેતાકત — ઉસમુખુદાના
क्या बरमें तडपता दिले, बेताब है यलाँह;
પારો
सीमाब है, सीमाब है, सीमाब है यलाँह.
સુરજ
लाये हमें दिलदारसे, हम ताबहो खुरशीद;
ચમક
क्या ताब है, क्या ताब है, क्या ताब है, यलाँह.
हुं पंजये मिश्कांमें, तेरे गौहरे आंसू;
જે મળે નહિં — અલભ્ય
नायाब है, नायाब है, नायाब है, यलाँह.
તલવાર — તરસ્યા
करता है वो शमशीर, दिया तिश्नालबों को;
પાણી — તેજ
क्या आब है, क्या आब है, क्या आब है यलाँह.
मुश्ताक़ हमें करके, तले आये, बनाय आप;
आदाब है, आदाब है, आदाब है यलाँह.

ग़ज़ले मुरसल २७७

આજ રાત
उमरोज़ शिबीजा कुलही, दिलशयाल है यलाँह;
क्या रात है, क्या रात है, क्या रात है यलाँह.

—ीसियां उसने दिया, दस्ते हिनाई;
हाल है, क्या हाल है, क्या हाल है, यहाँ।
सीने है ज़ख्मीडा, जे उलटा कुया सीना;
—ी घाल है, क्या घाल है, क्या घाल है यहाँ।
कुर्बानीमेड़ा पाया जे, मज़ह उसके लबोंसे;
खयाल है, खयाल है, खयाल है, यहाँ।
सुरजनकी ग़ज़ल जिसने सुनी, उसने कहा यहाँ;
क्या ज्ञात है, क्या ज्ञात है, क्या ज्ञात है यहाँ।

ग़ज़ले सोहा २७८

गैरपे जितहै करम हमपे सितम वाह वाह
देख लिया बस तुझे हमने सनम वाह वाह।
मेहर करे या ज़ुल्म उसमें, हो उसकी रज़ा;
जिसकी रज़ामें सदा गुज़रे, जे दम वाह वाह।
सख्त किया किस्तका, जरसके आलमका तु;
दुकनो उधरती कलू जजरे करम वाह वाह।
जानने मस्तनकी देज तान जिनाको मेरी;
कहते हैं जिन साकिने दैरो, हरम वाह वाह।
कहने लगे जे कोई देखता, सोहाकी तरह।
दिलने अपीसे हो ता लौहा, कलम वाह वाह।

ग़ज़ले सोरठ २

अब ज़ुदा हो तो है, गाली येक बार सो येह तोह़फ़ा;

દલગીરી

रंजीदा तो करूं किसे कहे, प्यार सो ये: तोह़फ़ा.

चुप हो तो अही दिलमें, बोले तो ज़बां ऊपर,

વાતચીત. બોલવું.

बा पोशीमें येह खूबी, गुफ़्तार सो येह तोह़फ़ा.

इस दिलको दिया क्युंकर, तुम इश्ककी तपसे हो;

आख़िर करूं अपना, बीमार सो येह तोह़फ़ा.

પુછવું, ખબરલેવી

हर दमके लई हुसनसे आये हैं, जब मुजको.

ग़म अपने की वोह सूरत, ग़मख़्वार, सो येह तोह़फ़ा.

अब शोख़की सब घरपर क्युंकर न हसें दिदां;

અજબ અજબ પાઘડી

डाढी है सो वोह नादिर दस्तार सो येह तोह़फ़ा.

કેવિતા

सुन नज्मको सोहराकी मुंह फेर लगा कहने;

કુઆરો

आशिकमें वोह शोहरा, अशआर सो येह तोह़फ़ा.

ग़ज़ले सुलतानी २९०

સપારસુધી

मैं हुं और नालए शबगीर है अल्लाह अल्लाह;

ग़म है और येह दिले दिलगीर है, अल्लाह अल्लाह.

दर्द सीनेमें मेरे यार है, उस काफ़िरकी.

नोके मिज़गां है, और तीर है, अल्लाह अल्लाह.

કુવો

याद कर तुजको मैं इस चाह ज़नामें डूबा.

નબીનુનામ

ख़्वाबे यूसुफ़की येह ताबीर है अल्लाह अल्लाह.

...अब इस दिलेनाशादको, बुलाया तुमने;
...डैनकी तक़सीर है, अल्लाह अल्लाह.
...पैराहनसे जैसे तरह, नज़र आते हो.
हुस्नके येह इश्ककी तस्वीर है, अल्लाह अल्लाह.
छोड दो इस दिले दीवानेको, मत क़ैद करो.
पांवमें ज़ुल्फ़की जंजीर है, अल्लाह अल्लाह.
हम मरें ग़ममें तेरे तुमको, ठठोली सूझे;
क्या बुरी मेरी भी तक़दीर है, अल्लाह अल्लाह.
न तो डर है ग़ज़ब ख़ुदाका, न तुझे उल्फ़त है;
कठण दिल.
संगदिल ज़ालिमे बेपीर है, अल्लाह अल्लाह.
शरबती, ताक़त.
दिल गया हाथसे, और सब ले गया, ताबोतवां;
नाज़ अंदाज़ करिश्मोंकी, ये तक़सीर है, अल्लाह अल्लाह.
सुरतगार.
शुभूमें हाथ मुसव्विरका के, जिसने प्यारे;
खींची इस मुखड़ेकी, तस्वीर है, अल्लाह अल्लाह.
ताराई. समारो खुदा.
क्या करूं वस्फ़ तेरा, तुमको सवारा है जिन्ने;
नूरसे नूरकी तासीर है, अल्लाह अल्लाह.
जबसे देखा है तेरे हुस्नको, ऐ माहलेका;
तबसे बुलबुले जहांगीर है, अल्लाह अल्लाह.

ग़ज़ले हूरिया २९१

[illegible] मदीनेकी, दिखा दो या रसूल अल्लाह;

मुझे थोडु रोना, जो अक्सर, अता हो या
पसीनेसे ठंडि आता है, निकल दिलभरसे आह
रहूं मैं फिरते इस तरह, भुलाओ या, रसूल अल्लाह
सहारा कुछ; न सामां है, मेरा हाले, परेशां है
मुझे तुम दीन, दुन्यामें, संभालो या, रसूल अल्लाह
न कोई आखिरी, ठाहीना है, न तुम बिन कोई भी;
सहारा आप, के हमदर्द, हे मुझको, या रसूल अल्लाह
तुम्हारी जात रहमत है, तुम्हें जन्नत, शफाअत है;
मुझे तुम रोके, महशरमें, छुडायो या रसूल अल्लाह
तुम्हारा नाम है प्यारा, तुम्हारा काम है न्यारा
मुझे तुम हक तआलासे, मिलायो या रसूल अल्लाह
गुनहका बोझ भारी है, ने हायत बे, करारी है;
अजाबोंसे, कियामतके, बचायो या रसूल अल्लाह
मेरी कुल हलें, मुश्किल हों, मुरादें मनकी, हासिल हों;
तेरा अरमान है दिलमें, दिलायो या रसूल अल्लाह
कठन अब वक्त है मुझपर, कहां पोरी दाढे, तुमपर;
मलायक लरके हों दरबां, अयां होया, रसूल अल्लाह
जडा रोरो कहुं जारी, नयन हैं रात दिन जारी
मेरी तुम चैन लिन चैतनी, कबूलो या रसूल अल्लाह
रहूं दुन्यामें चैनतसे, कियामतमें, [illegible]

...ओंमें, क़रार हो या, रसूलल्लाह.
...ए, और लाये, ख़ुरम और ऐसे, माल्हूं;
...रे रहमतमें, छुपादे या, रसूलल्लाह.
...हा मोहताज, वोह किसके, दिखा तालिब है [illegible]
हमारे वास्ते, हक़से तुम, मांगो या, रसूलल्लाह.
तयसुंज आप का, बस है, तुम्हारी ज़ातको, बस है;
नबीयोंपर, किये अहसान, तुम हो या रसूलल्लाह.
तुम्हारे दरपे, जो आया, मुरादें मनकी लेर पाया;
मुझे भी प्यारसे, ना उम्मतसे, दिखा दो या, रसूलल्लाह.
ख़ताहो ? रेगुल जाली, मिले मुझको मदीं आज़ी
यही है अब दुआ मेरी, क़बूलो या, रसूलल्लाह.

ग़ज़ले मनहर २८२

जिस गुलको लेकना है, मुझे फ़त सजाके हाथ;
उसके वास्ते लिखा है, चमनमें हवाके हाथ.
अरगे हिना उपर लिखो, अहवाले दिल मेरा;
शायर हली तोडने लगे, उस दिल हुआके हाथ.
आजर हो रहा हूं, हो आलमके हैदसे;
भीका लगा है जनसे ली, मुझ बेनवाके हाथ.
डरता हूं मीर, ऊठे तेरी, ऐसे हर सहर;
[illegible] पूरी है, पंजा लगाके हाथ.

मन्ज़ूर छिपाके रंज दिले, नाकुड़ [illegible]
येह शीशा बेचना है, किसी मीरज़ाके

ग़ज़ले सोज़ २८३

बस दिले नातवान, बस चुप रहे;
रोरो मत खो तु जान, बस चुप रहे.
गुल नज़र गुल नज़र के तेरी आह;
पोंहची ताला मकान, बस चुप रहे.
आंखें भली रहेंगी, ओ नादान;
मेरा केहना तु मान बस चुप रहे.
तेरे रोनेपे लोग रोते हैं;
बस न रो मेरी जान, बस चुप रहे.
दून हंसते हैं, तेरे रोनेपर;
मेरे गुंचा दहान, बस चुप रहे.
शेअर डाके डाके हैं, शरारे हैं;
सोज़ आतशी ज़बान बस चुप रहे.

ग़ज़ले वली २८४

किया मुझ ईश्क़ने ज़ालिमको, आब आहिस्ता आहिस्ता
कुं आतश गुलकों करती है, गुलाब आहिस्ता आहिस्ता
अजब कुछ लुत्फ़ रखता है, शबे ख़ल्वतमें [illegible]
सवाल आहिस्ता आहिस्ता, जवाब आहिस्ता आहिस्ता

रखुद, तेरी आंखोंने ये जालिम;
है, शराब आहिस्ता आहिस्ताह.
रोकुमें है आतशी इ दिल मेरा पानी;
ाहै आतशपर गुलाब आहिस्ता आहिस्ताह.
शको नानसूं आता है वो: शौशीन कफी घरसूं;
डु लूंम रारिइसुं निडले आईलाज, आहिस्ता आहिस्ताह.
घली मुझ दिलमें आता है, ज़याले नानज़ पेरया;
डु लूं आंखोंमें आता है, गाफ़ाब आहिस्ता आहिस्ताह.

गज़ले साहेज़ २८५

फिरकर नजो दिल आजर हो, सुब्हान अल्लाह;
आतडी आलमें जलरहो, सुब्हान अल्लाह.
ठिस्लरह हमपे लये: जैरनया रख्ले हो;
हुया तुम्हीं शौहरमें, दिलदार हो, सुब्हान अल्लाह.
पिस्तर दीद तुम्हारी नथी, सुमडिन अजनतो;
दरजर इमको आजर हो सुब्हान अल्लाह.
डिस्तरह दिलडो लिये, तुमने मियां पेहले दिन;
अजनतो यूं कडे लजजगार हो, सुब्हान अल्लाह.
सुरखुसें देखके गुलशनमें तुम्हें डहली है;
फिरकर तुम तो तरहदार हो, सुब्हान अल्लाह.
दिल सोक, जो ठिज्जाज़ अयां करते हो.

सच है तुम ऐसे ही गमख्वार
सुनके साहब के सुखन यारे सखुन
जिस कदर तुमतो खरीदार हो सुबहान।

गज़ले मस्तान २८६

सोहबते दुख्तर से है, सारे जहानमें, आशिक़;
दस्तमें पामें सागरमें, और दहनमें आशिक़.
પધારો
तुझ निगाहे गरम जी, हसरत से ऐ सरवे सिही;
गोरीये अंगुर के, निकले चमनमें आशिक़.
सोहबते रोया ने था, मैं अबरे नैसांकी नमत;
पड गये देखो सदहके, चश्म रहनमें आशिक़.
પરપોટા
छैन दिनोमें उया उहूं, पैदा हुए जते हुबाब;
कस्मे दरयामें सफ़र जेड, दहेंजतमें आशिक़.
उतरके महरीकी नहीं शाजन मजीये: गुलशनके बीच;
है लरजते देखलो सरवो समनमें, आशिक़;
ऐसा नाजूक है अरे, मस्तां सनम नामेखुदा,
जेड बोसेसे हुए थाके, बदनमें आशिक़.

गज़ले सोज़ २८७

तुम करो सैरे गुलिस्तां वाह वाह;
હૈ. ગુલ્માનુ
हम रहें महजुसे हा, वाह वाह.
પીંજરુ
तुम चमनमें हम कफ़समें, वा ...

વાહ વાહ.

...ન, તુમ ઉસકે રહો;

...એ શબિસ્તાં, વાહ વાહ.

આસપાસ

૨ રસ્તાના સાંગિરદે ચમન;

...ડેરે સૈરે ચરાગાં, વાહ વાહ.

...ન ઠો દે અપને પેહલૂમેં જગાહ;

...હ વાહ ગોરે ગરીબાં, વાહ વાહ.

ગઝલે ગુલામે અહમદ ૨૮૮

આપતો ખૂબ તરહ ઘર હો સુબ્હાનલ્લાહ;

ક્યા પરીઝાદ હો, દિલદાર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

ક્યા કહું આપકી ઝુલ્ફ, મુજ્કો મુસલસલ મુશ્કી.

નૈન સિકારી સાફ

દામે સૈયાદ હે, યા માર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

રોશનકી

આપકે ચેહરએ પુર નૂરકી હો ક્યા તારીફ;

આપતો મતલએ અનવાર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

ચમકતું

આપકી ઝાતમેં હે નૂરે, તજલ્લી તાબાં;

તેની

આપતો સાહબે અસરાર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

...મન ક્યું હોવે તુમ્હેં, દેખતે હી પુસ્તે ફલક;

વાહ ક્યા આલમે, ઝમ ઘાર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

[illegible] ... ગરીહાસે, મગર ફરમાઓ.

[illegible] ... હુશિયાર હો સુબ્હાનલ્લાહ.

जो हरम, न

तो मेरे मुफ़्तार हो, तुम.

ग़ज़ले मोहसिन. २

फ़ैज़ी लरजे है, किधर जागे धरा है शीशा.
(अंदाम सुस्ती से)
तन जज़ीरेन है, और भैसे लरा है शीशा.
देखो होकर न लगे, ओ हो तल संभलकर चना;
दूर करके दिलको नाजुक, यह बना है शीशा.
सर झुकाते ही लगी शीशेको जेहम हिचकी;
ऐह मस्तोंने मगर याद किया है शीशा.
(१२२ बी)
रात मजमूर मुझे जानके, मोहसिन पूछा;
दिलका किस कीमतों यहां मोल दिया है शीशा.
मैं कहा नर न क्या ह रसे, मिले है प्यारे;
(मोहब्बत)
नज़र उलफ़तसे मगर हां ये: मिला है शीशा.

ग़ज़ले सिराज २७०

उस मन हरनकी, मुझे सिहनपुर सिउ नको देख;
हर जेक सिउनमें नाज़ने, मुरके फ़ुतनको देख.
जे दिल अगर है मांदगी से राह गम तुझे;
हल्केमें प्यूके तुझे कुसुम पतनको देख.
देखा नहीं जे गुजराने, उमीदकी डली;
उस गुल छिपारे, गुंचा [illegible] देख.

नसे दिल मेरा;
ने उस चमनको देख·
मेरी जानसे, जंजाल हो गया;
शहर जान रहा है, पुर इसके इनको देख·
ी तरहसे नज़िमे फूरेव को कहो;
जार अपने जिस्मिले, फूली उईनको देख·
न न डर, तुजाई गुईरीआ, जे सिराज;
उस तुहफ़ोड़ी जजाईजे, शमशीर जानको देख·

गज़ल नसमज़्: २८१

हुसाके जाहह है, नैसा जपागमें गुंचह;
न घरस्तरहका मिसा गोठि, जागमें गुंचह·
हयाके जागके सरमें, लरी है तेरी हया,
तेराही जस्त रवे है, हमागमें गुंचह·
हरे वे ज़ुल्फ़ है जालेमें लालजी मछली·
जान है गरकूं मिनकारे, लगमें गुंचह·
याल उस रूपे रंगीडा, उस्में रहता है·
ला है तुरई मेरे, दिलके दागमें गुंचह·
मोरी सरज गिरेजां है, पुंतो वे समझ;
ये उस दहनके है हिकरो, जुरागमें गुंचह·

ग़ज़लें

माहरू रखता है, जब तेरो
आरिज़े ज़ेबा निगारको है, सफ़ा
दोलते हुस्न खुश, दारहे उसको वया खूब,
उस निगार सोनेको डाली है, इज़रका तरयह.
गर उठा लेवे वोः परदेको, जमाल अपनेसे.
चश्मे खुरशीदको हो नूरे, असरका तरयह.
दुरके याक़ुतसे होन्टोंने सखुनका जो नमूद;
शायदका मीसे मिले उसमें, ज़हरका तरयह.
आशिके दुराँ गोहरकी, न हक़ीक़त जाने;
कदरके महसूम हो, उस दरके ख़बरका, तरयह.
जो मोयसर न हुवी, वस्ल सनमका होतो;
बस ग़नीमत है नज़ज लहरे ज़हरका तरयह.
कोई उज़्रका नहीं, दरगाह रसुले अकरम;
उस गुनहगारको मोहकम है, हशरका तरयह.

वांचनारने सूचना.

आ किताबने घणी सारी रीते सुधारीने लखीछे, तो
ए कोछे ठेकाणे कांछे चूक रहेली नजर आवे तो वांचणार
मनारामो माफ करीने पीनवीछे. ला. मेहता
लाल मंछाराम संपत लखुत आमाका ....
पीनवे छापी सनमत लखुत ....